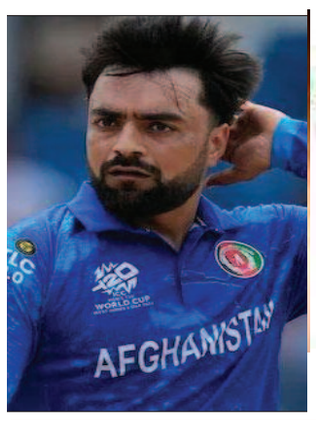

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

राशिद खान ने रचा इतिहास, बने दुनिया के नंबर 1 वनडे गेंदबाज -पेज: 7

अब दिल्ली की साा में भूकंप लाएगी हुमा कुरैशी -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 189 | गुरुवार 16 अक्टूबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

6 माह बाद सामने आया पत्नी के कातिल डॉक्टर का असली चेहरा, फॉरेंसिक साइंस रिपोर्ट से खुला सच

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में डॉक्टर दंपति की शादी के 11 महीने बाद एक दर्दनाक सच्चाई सामने आई है। अस्पताल के जनरल सर्जन डॉक्टर महेंद्र रेड्डी ने अपनी पत्नी डॉक्टर कृतिका रेड्डी की हत्या कर दी। कृतिका विक्टोरिया अस्पताल में डर्मेटोलॉजिस्ट थीं और बीते कुछ दिनों से बीमार थीं। घटना अप्रैल 2025 की है, जब कृतिका अपने पिता के घर रह रही थीं। तभी महेंद्र ने दो दिन तक उन्हें आईवी इंजेक्शन दिए जिसके बाद 23 अप्रैल को उनकी तबीयत बिगड़ी और अस्पताल में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उस समय मराठाहल्ली पुलिस ने यूडीआर (अप्राकृतिक मृत्यु रिपोर्ट) दर्ज की थी। 6 महीने बाद फॉरेंसिक साइंस लैब की रिपोर्ट में कृतिका के शरीर में एनस्थीसिया ड्रग प्रोपोफोल मिला। यह दवा सिर्फ ऑपरेशन थियेटर में इस्तेमाल होती है। इसके बाद पुलिस ने मामला को हत्या में बदल कर आरोपी डॉक्टर महेंद्र रेड्डी को मणिपाल से गिरफ्तार कर लिया। कृतिका की बहन डॉक्टर निकिता रेड्डी ने ही शक जताया था और केस दर्ज कराया। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी के परिवार पर पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज थे जिन्हें शादी के समय छुपाया गया था। कृतिका के पिता मुनी रेड्डी ने कहा कि उनकी बेटी ने अपने पति पर भरोसा किया था, लेकिन पति ने ही उसका विश्वास तोड़ा। परिवार ने सख्त सजा की मांग की है।

हाथियों की आबादी में 18 फ़ीसदी की गिरावट?

नई दिल्ली (एजेंसी)।जंगली हाथियों की डीएनए के आधार पर पहली बार गणना की गई है। गणना के जो परिणाम सामने आए हैं। उसके अनुसार हाथियों की संख्या 2017 में 27312 थी। वह 2021 की जनगणना में घटकर 22446 रह गई है। जो पिछली जनगणना के मुकाबले 18 फ़ीसदी कम है। यह रिपोर्ट 4 साल के बाद सार्वजनिक की गई है। वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने डीएनए आधारित गणना की जानकारी को गलत बताते हुए कहा है। इस बार की जनगणना वैज्ञानिक तरीके से की गई है। जिसके कारण हाथियों की जनसंख्या में कमी देखने को मिल रही है। इस बार की गणना पूरी तरीके से सही है। वही रिपोर्ट के अनुसार सड़क अतिक्रमण, रेल निर्माण और अन्य बुनियादी ढांचा की परियोजनाओं के चलते जंगल काटे जा रहे हैं ।उसको लेकर मानवों और हाथियों के बीच लगातार संघर्ष बढ़ रहा है ।इस संघर्ष में हाथियों की संख्या कम हो रही है। जो चिंता का विषय है।

'जिनका आंदोलन से कोई वास्ता नहीं वो आज ट्रस्टी' - जगदगुरु रामभद्राचार्य

अयोध्या (एजेंसी)। जगद्गुरू रामभद्राचार्य रामलला का दर्शन करने अयोध्या पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अयोध्या में कौशल्या की गोद में बैठे लाडले राम के मंदिर का निर्माण कराए जाने की जानकारी दी है। उन्होंने हनुमान गढ़ी मंदिर में दर्शन किया। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास से भी मुलाकात की। उन्होंने मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यह जो आज ट्रस्टी बने हुए हैं, यह कभी भी संघर्ष के दौरान नहीं थे। सिर्फ मैं और महंत नृत्य गोपाल दास, अशोक सिंघल, महंत अवैद्यनाथ जी थे। हम लोग जानते हैं, संघर्ष की लीला। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट को निरंकुश नहीं होना चाहिए। शास्त्रों के मर्यादा की रक्षा करनी चाहिए और यह ट्रस्टियों की जिम्मेदारी भी है। मथुरा और काशी विवाद रामभद्राचार्य ने कहा कि हमारी भूमिका वही रहेगी, जो अयोध्या में राम मंदिर को लेकर रही है। उन्होंने अयोध्या में भव्य दीपोत्सव के आयोजन पर कहा कि अयोध्या निरंतर सजती रहेगी। प्रभु रामलला के दर्शन की इच्छा हुई तो अयोध्या आ गए हैं, यहां बहुत ही अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि ध्वजारोहण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री का आगमन बहुत ही हर्ष का विषय है। महंत नृत्य गोपाल दास से मुलाकात को लेकर रामभद्राचार्य ने कहा हमारी पुरानी मित्रता है। हम मित्रों की मुलाकात आनंद ही कुछ और होता है। वह अब बहुत कम पहचान पाते है, लेकिन मुझे पहचान लिया।

राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों और पूर्व सैनिकों के आश्रितों के लिए खोला पैसा का पिटारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों और पूर्व सैनिकों के आश्रितों के लिए वित्तीय सहायता योजनाओं में 100 प्रतिशत वृद्धि को मंजूरी दे दी है। बुधवार को इस बारे में जानकारी देकर रक्षा मंत्रालय ने बताया कि ये योजनाएं पूर्व सैनिक कल्याण विभाग द्वारा केन्द्रीय सैनिक बोर्ड के माध्यम से लागू होती हैं। वित्तीय सहायता में की गई प्रमुख बढ़ोतरी के तहत अनुदान 4,000 रुपए प्रति माह से बढ़ाकर 8,000 रुपए प्रति माह प्रति लाभार्थी किया गया है। यह सहायता 65 वर्ष से अधिक आयु वाले उन पूर्व सैनिकों के आश्रितों और विधवाओं को आजीवन मिलेगी, जिनकी कोई नियमित आय नहीं है और जो गैर-पेंशनभोगी हैं। वहीं शैक्षणिक अनुदान 1,000 रुपए से बढ़ाकर 2,000 रुपए प्रति माह प्रति विद्यार्थी किया गया है। यह सहायता अधिकतम दो आश्रित बच्चों को कक्षा 1 से स्नातक तक या दो वर्षीय परास्नातक कोर्स कर रही आश्रित विधवाओं को दी जाएगी। विवाह अनुदान में भी बढ़ोतरी की गई है। विवाह अनुदान को 50,000 रुपए से बढ़ाकर 1,00,000 रुपए प्रति लाभार्थी किया गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह अनुदान अधिकतम दो पुत्रियों के विवाह अथवा विधवा पुनर्विवाह के लिए लागू होगा, बशर्ते विवाह आदेश के जारी होने के बाद संपन्न हुआ हो। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि मंजूरी की गई नई दरें 1 नवंबर 2025 से प्राप्त आवेदनों पर लागू होंगी। इससे प्रति वर्ष करीब 257 करोड़ रुपए का वित्तीय भार पड़ेगा, जो आर्म्ड फोर्सेस फ्लैग डे फंड से वहन किया जाएगा।

बारिश ने बढ़ाया चेन्नई के जलाशयों का जलस्तर, आपूर्ति होगी मजबूत

चेन्नई(एजेंसी)। बारिश और जलग्रहण क्षेत्रों से बढ़ते जलप्रवाह के साथ चेन्नई के प्रमुख पेयजल जलाशय पूरी क्षमता के करीब हैं। इससे आने वाले महीनों में शहर में जल आपूर्ति की मजबूत होगी। तमिलनाडु जल संसाधन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पूंडी, पुझल, चेम्बरमबक्कम, रेड हिल्स और चोलावरम जलाशय, जो मिलकर चेन्नई की पेयजल जरूरतों को पूरा करते हैं, उनमें अब 8.328 हजार मिलियन क्यूबिक फीट पानी है, जबकि उनकी संयुक्त क्षमता 11.757 टीएमसी फीट है, जो 70.9 फीसदी का एक स्वस्थ जल संग्रहण स्तर दर्शाता है।

महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर रार, कांग्रेस-राजद में 65-55 में फंसा पेंच

कांग्रेस ने 43 सीट पर किए उम्मीदवार चयनित, जल्द हो सकती है नामों की घोषणा

पटना(एजेंसी)। बिहार में चुनाव से पहले महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर रार खत्म नहीं हो रही है। कांग्रेस चुनाव में 65 सीटें चाहती है और राष्ट्रीय जनता दल 55 सीटें देने को तैयार है। इधर पार्टी सूत्रों के मुताबिक महागठबंधन में पहले चरण की जिन सीटों पर सहमति बनी है उनके नाम आज घोषित हो सकते हैं। कांग्रेस ने अब तक कुल 43 सीट पर उम्मीदवार चयनित किए हैं। महागठबंधन में कांग्रेस 65 सीटों की मांग पर अड़ी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीटों की अदला-बदली को देखते हुए पार्टी 74 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम को अंतिम रूप दे रही है। ऐसे कांग्रेस ने सभी 243 सीटों पर दावेदारों से आवेदन मंगाए थे। महागठबंधन समन्वय समिति के समन्वयक तेजस्वी यादव के साथ बातचीत में कोई फार्मूला तय नहीं होने से मंगलवार को दिल्ली में पार्टी ने उम्मीदवारों के नाम पर विचार किए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बैठक की अध्यक्षता की। कांग्रेस मंगलवार को भी सभी सीटों पर प्रत्याशियों के नाम को अंतिम रूप नहीं दे सकी है।

दिल्ली कांग्रेस मुख्यालय में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में मंगलवार को 18 नामों पर चर्चा हुई। 3 घंटे चली बैठक में इन सीटों पर प्रत्याशी के नाम को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में 40 सीट की चर्चा हुई। शेष सीटों पर उम्मीदवार के नाम तय करने के लिए सब कमेटी का गठन किया गया है। बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि सभी मजबूत सीटों पर चर्चा हुई है। अब आगे की तैयारी कर रहे हैं।

कांग्रेस को डर सता रहा है। दिल्ली में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद टिकट दावेदारों ने जमकर नारेबाजी भी की थी। इस कारण सदाकत आश्रम में हमेशा दिखने वाले नेताजी अब गायब हैं। दरअसल इस बार पार्टी ने सभी विधानसभा क्षेत्रों से आवेदन मंगाए थे। इस कारण दावेदारों की संख्या चार हजार से ज्यादा है। चुनावी साल में संगठन के अभाव में इन दावेदारों के सहारे ही पार्टी ने कार्यक्रमों और अभियान को सफल बनाया। कांग्रेस इन्हें आश्वस्त करती रही कि कार्यक्रमों में मेहनत के अनुसार ही टिकट मिलेगा। नई दिल्ली में दावेदारों ने डेरा जमा लिया है। केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में कांग्रेस मुख्यालय के बाहर कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी भी की। कार्यकर्ता हाल ही में पार्टी में शामिल हुए नेताओं को तवज्जो देने से नाराज हैं।

जैसलमेर बस अग्निकांड : 2 अफसर सस्पेंड, मृतकों की संख्या 21 पहुंची

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर में हुए भीषण बस अग्निकांड के बाद सरकार ने कड़ी कार्रवाई की है। बुधवार को परिवहन विभाग ने चित्तौड़गढ़ के कार्यवाहक डीटीओ सुरेंद्र सिंह और सहायक प्रशासनिक अधिकारी चुन्नी लाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। जांच में सामने आया कि हादसे का शिकार हुई बस की बॉडी को चित्तौड़गढ़ परिवहन विभाग से ही अनुमोदन (अप्रूवल) मिला था। इस बीच, हादसे को लेकर पहली एफआईआर दर्ज की गई है। मृत पत्रकार राजेंद्र चौहान के भाई ने बस मालिक और ड्राइवर के खिलाफ जैसलमेर सदर थाने में केस दर्ज कराया है। मृतकों की संख्या अब 21 हो गई है। बुधवार सुबह 10 वर्षीय यूनुस ने जोधपुर के महात्मा गांधी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, अभी भी चार घायल मरीज वेंटिलेटर पर हैं, जिनकी हालत गंभीर बनी हुई है। यह हादसा मंगलवार दोपहर करीब 3:30 बजे हुआ, जब जैसलमेर से जोधपुर जा रही प्राइवेट एसी स्लीपर बस में अचानक आग लग गई। बस में सवार कई यात्री झुलस गए थे। शुरुआती जांच में संभावना जताई जा रही है कि बस के इंजन में शॉर्ट सर्किट के कारण आग फैली, जिसने देखते ही देखते पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। सरकार ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं और परिवहन विभाग को बस बॉडी अप्रूवल की प्रक्रिया की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए मुआवजा और घायलों के इलाज का पूरा खर्च उठाने की घोषणा की है।

दिल्ली में फिर हवा हुई जहरीली, एक्यूआई 206 पर पहुंचा, ग्रैप-1 लागू

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में हवा जहरीली हो गई है। करीब चार महीने के बाद दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का स्तर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। बुधवार की सुबह दिल्ली और एनसीआर के कई इलाकों में धुंध की मोटी चादर छाई रही। प्रदूषण की बढ़ती स्थिति को देखते हुए मंगलवार को ही ग्रैप-1 लागू कर दिया गया था। इसके तहत प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कई कड़े कदम उठाए गए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक बुधवार सुबह 7:30 बजे तक दिल्ली का एक्यूआई 206 दर्ज किया, जो खराब श्रेणी में आता है। वहीं, एनसीआर के अन्य शहरों में भी स्थिति चिंताजनक है। फरीदाबाद में एक्यूआई 189, गुरुग्राम में 156, गाजियाबाद में 145, ग्रेटर नोएडा में 123 और नोएडा में 136 दर्ज किया गया।

अब पाकिस्तान के लिए आत्मघाती कदम होगा पहलगाम जैसा हमला करना

जम्मू (एजेंसी)। पाकिस्तान की ताकत नहीं है कि वो भारत से सीधे मुकाबला कर सके। यही वजह है कि वो आए दिन भारत के खिलाफ साजिश रचता रहता है। पश्चिमी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने कुछ इसी तरह की साजिश वाली चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक बार फिर पहलगाम जैसी आतंकी साजिश रच सकता है, क्योंकि उसके पास भारत से सीधे युद्ध करने की क्षमता और हिम्मत नहीं है। जनरल कटियार ने साफ कहा कि अगर पाकिस्तान कोई हरकत करता है तो भारत की जवाबी कार्रवाई और भी घातक होगी। उन्होंने कहा, अगर वे कुछ करते हैं तो हमारा जवाब पहले से कहीं ज्यादा घातक होगा। इसमें कोई शक नहीं। हम पूरी तरह तैयार हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि अगली कार्रवाई और निर्णायक होगी। जम्मू में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचाया था। उन्होंने कहा, हमने उसकी चौकियों और हवाई ठिकानों को तबाह कर दिया। लेकिन हमें सतर्क रहना होगा, क्योंकि वह फिर कुछ करने की कोशिश कर सकता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपनी दुर्भावनापूर्ण नीतियों से बाज नहीं आएगा, क्योंकि उसके पास भारत से सीधे लड़ने की न तो क्षमता है और न ही साहस। उन्होंने कहा, भारतीय सेना पूरी तरह तैयार है और हमें जनता का पूरा समर्थन प्राप्त है। यही कारण है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हम पाकिस्तान को करारी हार देने में सफल रहे। 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले में 25 पर्यटकों और एक स्थानीय व्यक्ति की मौत के बाद भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान-आधिकृत कश्मीर में आतंक ढांचे को तबाह किया गया।

तमिलनाडु में हिंदी पर बैन की तैयारी: सीएम स्टालिन की भाषाई स्वाभिमान नीति आई फिर चर्चा में

-हिंदी फिल्में, गाने, विज्ञापन बोर्ड्स और होर्डिंग्स पर रोक का प्रस्ताव

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) सरकार राज्य में हिंदी भाषा के इस्तेमाल पर बैन लगाने वाला विधेयक विधानसभा में पेश करने की तैयारी कर रही है। माना जा रहा है कि प्रस्तावित बिल में हिंदी फिल्मों, गानों, विज्ञापन बोर्डों और होर्डिंग्स में हिंदी भाषा के प्रयोग पर रोक लगाने का प्रावधान शामिल हो सकता है।

सूत्रों के अनुसार, सरकार ने मंगलवार देर रात कानूनी विशेषज्ञों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपात बैठक बुलाई, जिसमें बिल के मसौदे पर विस्तार से चर्चा हुई। यह बिल 14 से 17 अक्टूबर तक चल रहे विधानसभा के विशेष सत्र में पेश किया जा सकता है। गौरतलब है कि तमिलनाडु में लंबे समय से हिंदी भाषा को लेकर विवाद चलता रहा है। डीएमके और अन्य द्रविड़ दल केंद्र की 'तीन-भाषा नीति' का विरोध करते रहे हैं। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कई मौकों पर कहा है कि राज्य के लोगों पर हिंदी थोपने का कोई भी प्रयास स्वीकार्य नहीं होगा।

मार्च 2025 में पेश किए गए राज्य बजट के दौरान भी स्टालिन सरकार ने एक प्रतीकात्मक भाषाई कदम उठाते हुए बजट दस्तावेजों और सिंबल से रुपए का हिंदी प्रतीक हटाकर तमिल अक्षर का उपयोग किया था, जो ₹ (रुपया) शब्द का पहला अक्षर है। यह निर्णय उस समय भी राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में रहा था।

संभावित प्रभाव और राजनीतिक संदेश

प्रस्तावित बिल पारित होने के बाद राज्य में सार्वजनिक स्थलों, विज्ञापनों, सिनेमा हॉलों, रेडियो प्रसारणों और गानों में हिंदी के प्रयोग पर रोक लगाई जा सकती है। हालांकि, अभी तक आधिकारिक मसौदा सार्वजनिक नहीं किया गया है। यदि यह बिल लाकर पारित किया जाता है, तो तमिलनाडु देश का पहला राज्य बन जाएगा जहां हिंदी भाषा के सार्वजनिक उपयोग पर औपचारिक प्रतिबंध लागू होगा। सीएम स्टालिन का कहना है कि हम तमिलनाडु की सांस्कृतिक पहचान और भाषाई स्वतंत्रता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। किसी पर कोई भाषा थोपी नहीं जाएगी।

सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई 29 अक्टूबर को

नई दिल्ली (एजेंसी)। सामजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई टल गई। अब मामले की अगली सुनवाई 29 अक्टूबर को होगी। बात दें कि सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने याचिका में संशोधन करने की इजाजत मांगी है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया की पीठ को सुनवाई करनी है। इससे पहले, केंद्र सरकार और अन्य प्राधिकारियों से जवाब मांगा गया था। लेह प्रशासन ने अपने हलफनामे में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत वांगचुक की हिरासत का बचाव किया है। लेह के जिलाधिकारी रोमिल सिंह डोंक ने कहा कि हिरासत आदेश 26 सितंबर को पारित किया गया था। उन्होंने कहा कि वह इस बात से संतुष्ट थे और अभी भी संतुष्ट हैं कि व्यक्ति को हिरासत में रखा जाए। हिरासत का आधार राज्य की सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने और समुदाय के लिए आवश्यक सेवाओं के लिए हानिकारक गतिविधियों को बताया गया है।

केरल में हिजाब विवाद छात्रा के पिता और स्कूल प्रबंधन ने बैठकर सुलझाया

-कुछ तत्व इसे लेकर सांप्रदायिक माहौल खराब करने की कर रहे थे कोशिश

एर्नाकुलम (एजेंसी)। केरल के एर्नाकुलम जिले में एक छात्रा को हिजाब पहनने की अनुमति न देने से उपजा विवाद सुलझ गया। छात्रा के पिता ने बातचीत के बाद स्कूल के ड्रेस कोड का पालन करने की बात कही। वहीं, शिक्षा विभाग की जांच रिपोर्ट ने छात्रा को धार्मिक स्वतंत्रता के तहत हिजाब पहनने की अनुमति देने की सिफारिश की है। मामला कैथोलिक चर्च द्वारा संचालित सेंट रीटा पब्लिक स्कूल पल्लुरुथी का है, जहां कक्षा 8 की छात्रा के पिता पीएम अनस ने अपनी बेटी को कक्षा में हिजाब पहनने की अनुमति देने की मांग की थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्कूल प्रशासन ने इसे यूनिफॉर्म नीति का उल्लंघन बताते हुए अस्वीकार कर दिया था। सोमवार और मंगलवार को स्कूल में तनाव के बाद कक्षाएं निलंबित कर दी गई थीं। मंगलवार को कांग्रेस सांसद हिबी ईडन की मध्यस्थता में छात्रा के माता-पिता और स्कूल प्रबंधन के बीच बातचीत हुई, जिसके बाद अनस ने कहा कि वह और उसकी बेटी स्कूल प्रबंधन के निर्देशों का पालन करेंगे। वह नहीं चाहते कि यह मामला सांप्रदायिक रंग ले। हमें समाज में भाईचारा बनाए रखना है। हिबी ईडन ने कहा कि कुछ तत्व इस विवाद के बहाने सांप्रदायिक विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा कि छात्रा के पिता का यह फैसला केरल की धर्मनिरपेक्ष परंपरा को मजबूत करने वाला है। इस बीच राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने बताया कि जांच में स्कूल की ओर से गंभीर चूक पाई गई है। उन्होंने फेसबुक पर लिखा- छात्रा को हिजाब पहनने के कारण कक्षा से बाहर करना संविधान द्वारा प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता और शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन है। यह गंभीर अनुशासनहीनता है। जांच रिपोर्ट में अनुशंसा की गई है कि छात्रा को हिजाब पहनने की अनुमति दी जाए और स्कूल चाहें तो उसके रंग और डिजाइन तय कर सकता है। मंत्री ने कहा कि केरल की धर्मनिरपेक्ष पहचान के विपरीत कोई शैक्षणिक संस्था कार्य नहीं कर सकती। ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होनी चाहिए। इससे पहले केरल हाईकोर्ट ने स्कूल प्रबंधन को संभावित कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए पुलिस सुरक्षा देने का आदेश दिया था।

चुनाव में धनबल, शराब, नशे व उपहारों के इस्तेमाल को लेकर आयोग सख्त

आयोग ने चुनाव खर्च पर नजर रखने व्यय पर्यवेक्षकों को भी किया तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव में धनबल, शराब, नशे और मुफ्त उपहारों के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाया है। आयोग ने सभी प्रवर्तन एजेंसियों को सख्त निर्देश दिए हैं ताकि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न हो सके। चुनाव आयोग ने 6 अक्टूबर को बिहार विधानसभा के आम चुनाव और 8 विधानसभा सीटों के उपचुनाव की घोषणा की थी। अब आयोग ने चुनाव खर्च और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए विशेष निगरानी की व्यवस्था की है।

चुनाव आयोग ने इस अभियान में कई एजेंसियों को शामिल किया है, जिनमें राज्य पुलिस विभाग, आबकारी विभाग, आयकर विभाग, एफआईयू-आईएनडी, आरबीआई, एसएलबीसी, डीआरआई, सीजीएसटी, एसजीएसटी, कस्टम्स, प्रवर्तन निदेशालय, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स, सीआईएसएफ, एसएसबी, बीसीएएस, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, डाक विभाग, वन विभाग और राज्य सहकारी विभाग शामिल हैं। इन सभी को निर्देश दिया है कि चुनाव के दौरान धन, शराब, ड्रग्स या अन्य प्रलोभनों के जरिए मतदाताओं को प्रभावित न किया जा सके।

आयोग ने चुनाव खर्च पर नजर रखने के लिए व्यय पर्यवेक्षकों को तैनात किया है। ये अधिकारी अधिसूचना जारी होते ही अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में पहुंच गए हैं और वहां व्यय निगरानी से जुड़ी टीमों से मिलकर नजर रख रहे हैं। आयोग ने कहा कि फ्लाइंग स्क्वॉड, सर्विलांस टीमें और वीडियो मॉनिटरिंग टीमें चौबीसों घंटे सक्रिय रहेंगी ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिशों पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

चीन ब्रह्मपुत्र बना रहा सबसे बड़ा बांध, पड़ोसी देशों पर बनाना चाहता है दबाव

-भारत ने जलविद्युत योजना का अनावरण का फैसला कर दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाकर मनमानी करने की सोच रहा है। इस बांध के जरिए वह अपने पड़ोसी देशों को रौंदकर अपना व्यापार बढ़ाने की पूरी कोशिश कर रहा है। अब भारत ने भी इसका जवाब देने का फैसला लिया है। दरअसल, भारत सरकार ने ब्रह्मपुत्र नदी पर ही 6.4 लाख करोड़ रुपए की जलविद्युत योजना का अनावरण किया। भारत के इस फैसले के पीछे रणनीति है जो कि भविष्य में भारत के कई राज्यों को फायदा पहुंचाने वाली है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस जलविद्युत परियोजना के बनने से पूर्वोत्तर राज्यों की बिजली की जरूरत आसानी से पूरी होगी। इसके अलावा अन्य राज्यों को भी बिजली आपूर्ति की जा सकेगी। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने कहा है कि केंद्र सरकार ने बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने के लिए 2047 तक ब्रह्मपुत्र बेसिन से 76 गीगावाट से ज्यादा जलविद्युत क्षमता स्थानांतरित करने के लिए 6.4 ट्रिलियन रुपए की पारेषण योजना तैयार की है।

सोमवार को जारी रिपोर्ट में सीईए ने कहा कि इस योजना में पूर्वोत्तर राज्यों के 12 उप-बेसिनों में 208 बड़ी पनबिजली परियोजनाएं शामिल की गई हैं, जिनकी संभावित क्षमता 64.9 गीगावाट और पंप-स्टोरेज संयंत्रों से अतिरिक्त 11.1 गीगावाट है। बेसिन की सीमापारीय प्रकृति और चीन से निकटता के कारण जल प्रबंधन और बुनियादी ढांचे की योजना एक रणनीतिक मुद्दा बन गया है। चीन के ब्रह्मपुत्र पर बांध बनाए जाने के बाद भारत को डर सता रहा है कि यह बांध भारतीय क्षेत्र में पानी के प्रवाह को 85 फीसदी कम कर सकता है। इतना ही नहीं, कभी युद्ध की स्थिति आई तो चीन इस बांध का दुरुपयोग भी कर सकता है। इससे ब्रह्मपुत्र के निचले इलाके को नुकसान पहुंचने का खतरा है।

बता दें ब्रह्मपुत्र नदी, जो चीन के तिब्बत से निकलती है और भारत-बांग्लादेश से होकर बहती है, अपने भारतीय क्षेत्र में विशेषकर चीन सीमा के निकट अरुणाचल प्रदेश में, अहम जलविद्युत क्षमता रखती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ब्रह्मपुत्र बेसिन अरुणाचल प्रदेश, असम, सिक्किम, मिज़ोरम, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों को कवर करता है और भारत की अप्रयुक्त जलविद्युत क्षमता का 80 फीसदी से ज्यादा इसमें समाहित है। अकेले अरुणाचल प्रदेश में 52.2 गीगावाट की क्षमता है। बता दें चीन ने जुलाई में दक्षिण-पूर्वी तिब्बत में भारत की सीमा के पास ब्रह्मपुत्र पर एक बड़े बांध का निर्माण शुरू किया है। भारत ने इस साल की शुरुआत में

इस परियोजना को लेकर चिंता जताई थी। जनवरी में भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा था कि चीन से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि ब्रह्मपुत्र के निचले इलाकों के हितों को ऊपरी इलाकों में हो रही गतिविधियों से नुकसान न पहुंचे।

संपादकीय

भारत की प्रतिबद्धता

आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) पर जी-20 मंत्रिस्तरीय बैठक के पहले दिन, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी. के. मिश्र ने दो उच्च-स्तरीय कार्यक्रमों - 'एकजुटता और अनुकूलनः पूर्व-चेतावनी प्रणालियों के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग और एकजुटता में डीआरआर का विस्तार' और 'डीआरआर निवेश को बढ़ाने के लिए तकनीकी नवाचार और राजनीतिक नेतृत्व का सेतु निर्माण' में भारत का प्रतिनिधित्व किया। एकजुटता और अनुकूलन सत्र में. डॉ. मिश्र ने इस बात पर जोर दिया कि पूर्व-चेतावनी प्रणालियां तकनीकी विलासिता नहीं, बल्कि अनुकूलन को लेकर रणनीतिक निवेश हैं। उन्होंने भारत की बहु-एजेंसी संरचना के बारे में चर्चा की, जिसमें मौसम विज्ञान, जल विज्ञान, भूकंप विज्ञान और समुद्र विज्ञान संस्थानों को एक सामान्य चेतावनी प्रोटोकॉल-अनुपालक एकीकृत चेतावनी प्रणाली के माध्यम से एकीकृत किया गया है, जो पहले ही 109 बिलियन से अधिक अलर्ट जारी कर चुकी है। उन्होंने जी-20 से वैश्विक 'सभी के लिए पूर्व-चेतावनी' प्रणाली के अंतर्गत अंतर-संचालनीय क्षेत्रीय प्लेटफार्मों, साझा डेटा प्रोटोकॉल और संयुक्त क्षमता निर्माण संबंधी पहलों को मजबूत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत पूर्व-चेतावनी को एक समावेशी, बहुभाषी और पूर्वानुमानयोग्य वैश्विक सार्वजनिक हित के रूप में देखता है। डीआरआर के वित्तपोषण पर आयोजित कार्यक्रम में, डॉ. मिश्र ने जी20 स्वैच्छिक उच्च-स्तरीय सिद्धांतों के सिद्धांत 2 और 4 के अनुरूप भारत की पांच-स्तंभ वित्तपोषण रणनीति का विस्तृत विवरण दिया। उन्होंने वित्त आयोग के तहत भारत के संवैधानिक मॉडल का वर्णन किया, जिसने बहु-वर्षीय, नियम-आधारित डीआरआर आवंटन, राज्यों और स्थानीय निकायों को विकेन्द्रीकृत वित्तपोषण और राष्ट्रीय आपदा जोखिम सूचकांक के माध्यम से साक्ष्य-आधारित प्राथमिकता सुनिश्चित की। राहत-केंद्रित से जोखिम तत्काल सूचना के प्रतिमान की ओर भारत के बदलाव पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने नवीन स्थानीय-स्तरीय प्रणालियों, समर्पित शमन निधियों, आपदा-विशिष्ट कार्यक्रमों और आपदा मित्र स्वयंसेवकों के माध्यम से समुदाय-आधारित तैयारियों का प्रदर्शन किया, जो अनुकूलन को सीधे सार्वजनिक वित्त और शासन में समाहित करते हैं।

चिंतन-मनन

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया।

संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंतःप्रेरणाओं की प्रतीक हैं।

भाग्य यदि कभी कुछ करता होगा तो निश्चय ही उसे पहले मनुष्य की मनोरुचि में ही प्रवेश करना पड़ता होगा, जिसकी अंतःगतिविधियां सही दिशा में चलने लगीं हैं। किंतु जिसका मानसिक स्तर चंचलता, अवसाद, अवास, आलस्य, आवेश, दैन्य आदि से दूषित हो रहा है, उसके लिए अच्छी परिस्थितियां और अच्छे साधन उपलब्ध होने पर भी दुर्गति का ही सामना करना पड़ेगा।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

देशद्रोह कानून पर सुप्रीम कोर्ट सख्तः लोकतंत्र की जड़ों की रक्षा की दिशा में बड़ा कदम

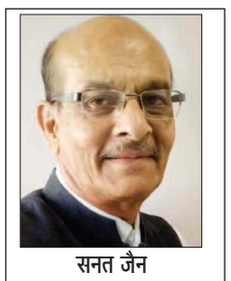

सनत जैन

सुप्रीम कोर्ट ने देशद्रोह कानून पर जो सख्त रुख अपनाया है, वह भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 124ए यानी राजद्रोह कानून से संबंधित याचिकाओं को पाँच जजों की संविधान पीठ को भेजने का जो निर्णय लिया है, वह केवल एक कानूनी औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षा है। राजद्रोह कानून की उत्पत्ति औपनिवेशिक शासन में हुई थी। अंग्रेजों ने 1870 में इसे इसलिए बनाया था ताकि भारत में स्वतंत्रता की आवाज उठाने वाले क्रांतिकारियों, पत्रकारों और बुद्धिजीवियों को कुचल सके। इस कानून के तहत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और बाल गंगाधर तिलक जैसे महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भी अभियुक्त बनाए गए थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत में उम्मीद जागी थी कि इस काले कानून को समाप्त कर दिया जाएगा, लेकिन अफसोस कि यह आज तक जीवित है, और कई बार तो यह उस रूप में भी नजर आया, जो लोकतंत्र की आत्मा के विपरीत है। आजादी के बाद से ही यह कानून सरकारों के हाथों में एक ऐसा औजार बन गया, जिसका इस्तेमाल विरोधी विचारों को कुचलने में हुआ। चाहे पत्रकार हों, मानवाधिकार कार्यकर्ता या आम नागरिक हों, किसी भी असहमतिपूर्ण आवाज को 'राष्ट्रविरोधी' कहकर निशाना बनाया जा सकता था। इसी मनमाने इस्तेमाल पर 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई थी। अदालत ने केंद्र सरकार से पूछा था कि जब यह कानून औपनिवेशिक मानसिकता का प्रतीक है, तो इसे क्यों बनाए रखा जाए। लेकिन सरकार ने अब 'भारतीय न्याय संहिता' (बीएनएस) के जरिए उसी कानून को नए नाम और थोड़े बदले हुए शब्दों में फिर से पेश कर दिया। अब इसे भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाला अपराध कहा गया है। हालांकि 'राजद्रोह' शब्द हटा दिया गया, लेकिन इसकी भावना लगभग वैसी ही बनी हुई है। यानी जो व्यक्ति सत्ता की आलोचना करे या सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए, उसे अब भी आसानी से देशविरोधी करार दिया जा सकता है।

मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने अदालत में कहा, कि कानून का दुरुपयोग ऐसा है जैसे किसी को एक लकड़ी काटने की अनुमति देना, और वह धीरे-धीरे पूरा जंगल काट दे। यह टिप्पणी बेहद प्रतीकात्मक है, यह दिखाती है कि यदि नागरिकों की आवाज पर नियंत्रण रखने की कानूनी छूट दी जाए, तो धीरे-धीरे लोकतंत्र का पूरा ढांचा खोखला हो जाता है। अदालत ने यह भी साफ किया कि नए कानून आने से पुराने मामलों पर कोई असर नहीं पड़ेगा; यानी उन मामलों में न्यायिक जांच जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट की यह सख्ती न केवल संविधान के अनुच्छेद 19 (अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) की रक्षा के लिए आवश्यक है, बल्कि यह एक चेतावनी भी है कि लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं, बल्कि असहमति को सम्मान देने से जीवित रहता है। लोकतांत्रिक समाज में असहमति को अपराध नहीं, बल्कि सुधार की प्रक्रिया का हिस्सा माना जाना चाहिए। यह फैसला मोदी सरकार ही नहीं, बल्कि आने वाली सभी सरकारों के लिए भी एक संदेश है, कि नागरिकों की आवाज को कुचलने वाले औपनिवेशिक कानूनों की समीक्षा अब टाली नहीं जा सकती। संसद को चाहिए कि वह इस दिशा में गंभीरता से विचार करे और ऐसा ढांचा बनाए जिसमें देश की अखंडता की रक्षा हो, लेकिन नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कोई खतरा न आए। राजद्रोह कानून पर सुप्रीम कोर्ट का यह रुख लोकतंत्र की आत्मा को बचाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। यह केवल एक कानूनी बहस नहीं, बल्कि उस संघर्ष का हिस्सा है जिसमें नागरिक अपने अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए खड़े हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि सत्ता, कानून और न्यायपालिका, तीनों यह समझें कि असहमति को दबाने से राष्ट्र मजबूत नहीं होता, बल्कि कमजोर होता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह दिखा दिया है कि संविधान की मूल भावना 'हम भारत के लोग' आज भी सर्वोपरि है। देशद्रोह कानून पर पुनर्विचार केवल एक कानूनी सुधार नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के भविष्य को सुरक्षित करने की ऐतिहासिक पहल है। यही वह क्षण है जब न्यायपालिका ने साबित किया है कि वह न केवल कानून की व्याख्या करती है, बल्कि स्वतंत्रता और न्याय की मशाल भी जलाए रखती है।

जब अनाज के ढेर में छुप जाए इंसान की भूख

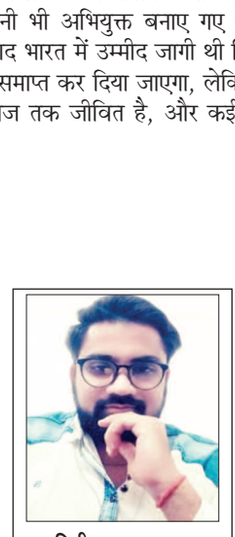

दिलीप कुमार पाठक

विश्व खाद्य दिवस प्रत्येक वर्ष 16 अक्टूबर को मनाया जाता है। इस दिवस को मनाते दशकों हो चुके हैं, परंतु दुनिया भर में भूखे पेट सोने वालों की संख्या में कमी नहीं आई है। यह संख्या आज भी तेजी से बढती जा रही है। विश्व में आज भी कई लोग ऐसे हैं, जो भूखमरी से जूझ रहे हैं। इस मामले में विकासशील या विकसित देशों में किसी तरह का कोई फर्क. नहीं है। विश्व की आबादी वर्ष 2050 तक नौ अरब होने का अनुमान लगाया जा रहा है और इसमें करीब 80 फीसदी लोग विकासशील देशों में रहेंगे। ऐसे में किस तरह खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी, यह एक बड़ा प्रश्न है। दुनिया में एक तरफ तो ऐसे लोग हैं, जिनके घर में खाना खूब बर्बाद होता है और फेंक दिया जाता है। वहीं दूसरी ओर ऐसे लोगों की भी कमी नहीं है, जिन्हें एक समय का भोजन भी नहीं मिल पाता। खाद्यान्न की इसी समस्या को देखते हुए 16 अक्टूबर को हर साल विश्व खाद्य दिवस मनाने की घोषणा की गई थी। विश्व खाद्य दिवस का मकसद दुनिया से भूखमरी खत्म करना है। आज भी करोड़ों लोग भूखे पेट सोने को मजबूर हैं ' हमें आधुनिक तरीके से खेती करनी होगी ताकि ज्यादा अनाज पैदा हो। इस दिन का उद्देश्य विकासशील देशों में तकनीकी और वित्तीय मदद बढ़ाना है ताकि वे ज्यादा अनाज उगा सकें।अफ्रीका के कई देशों में यह समस्या बहुत गंभीर है, जैसे रवांडा, बुरुंडी, नाइजीरिया और सोमालिया। हमें इन देशों की मदद करनी होगी ताकि वे अपने लोगों को खाना दे सकें। भूख और कुपोषण मुक्त दुनिया के सपने को साकार करने में हम सभी की भूमिका है। हमें संकट के समय में स्थायी आदतों को दरकिनार नहीं करना चाहिए। हम स्वस्थ भोजन के विकल्प चुन सकते हैं और भोजन की बबार्दी को कम करने में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा, सरकारें, उद्यम और संगठन एवं अपनी समझ को साझा कर सकते हैं और स्थायी, लचीली खाद्य प्रणालियों और आजीविकाओं का समर्थन कर सकते हैं। हम सब मिलकर अपने विश्व का विकास, पोषण और स्थायित्व कर सकते हैं। कुछ जगहों पर, खाद्य असुरक्षा की गंभीरता बहुत ज्यादा है। अनुमान है कि 67.3 करोड़ लोग भूख से जूझ रहे हैं। दूसरी तरफ, मोटापे का बढ़ता स्तर और व्यापक खाद्य अपव्यय एक असंतुलित व्यवस्था की ओर इशारा करते हैं ' बढ़ती वैश्विक जनसंख्या की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सीमाओं, क्षेत्रों और पीढ़ियों के पार टीमवर्क की आवश्यकता है। भारत में भी खाद्यान्न की कमी नहीं है, लेकिन फिर भी लोगों को खाने के लिए पर्याप्त अनाज नहीं मिलता। इसकी वजह है खराब सार्वजनिक वितरण प्रणाली और भंडारण की समस्या। लाखों टन अनाज खुले में सड़ जाता है, जबकि करोड़ों लोग भूखे पेट सोते हैं। बच्चों में कुपोषण की समस्या भी गंभीर है। हमें इस समस्या का समाधान निकालने की जरूरत है ताकि अनाज की बबार्दी रोकी जा सके और लोगों को उचित मात्रा में भोजन मिल सके।

भारत में शादी-विवाह जैसे समारोहों में बहुत सारा खाना बर्बाद होता है। एक शोध के अनुसार बेंगलुरु में शादियों में लगभग 950 टन खाना फेंका गया। समस्या सिर्फ खाने की बबार्दी नहीं है, बल्कि जरूरत से ज्यादा कैलोरी वाला खाना भी एक समस्या है। भारत में कुपोषण की समस्या गंभीर है, जबकि अनाज की बबार्दी हो रही है। विश्व खाद्य उत्पादन रिपोर्ट के अनुसार भारत में भुखमरी की समस्या से निपटने की गति धीमी है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में सभी लोगों के लिए पर्याप्त अनाज है, लेकिन फिर भी कई लोग भूखे हैं और कुपोषण से जूझ रहे हैं। हमें इस समस्या का समाधान निकालने की जरूरत है। क्या सिर्फ कृषि उत्पाद बढ़ा कर और खाद्यान्न को बढ़ा कर हम भूख से अपनी लड़ाई को सही दिशा दे सकते हैं। चाहे विश्व के किसी कोने में इस सवाल का जवाब हाँ हो, लेकिन भारत में इस सवाल का जवाब ना है और इस ना की वजह है, खाद्यान्नों को रखने के लिए जगह की कमी। यूँ तो भारत विश्व में खाद्यान्न उत्पादन में चीन के बाद दूसरे स्थान पर पिछले दशकों से बना हुआ है, लेकिन यह भी सच है कि यहाँ प्रतिवर्ष करोड़ों टन अनाज बर्बाद होता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार लगभग 58,000 करोड़ रुपये का खाद्यान्न भंडारण आदि तकनीकी के अभाव में नष्ट हो जाता है। कुल उत्पादित खाद्य पदार्थों में केवल दो प्रतिशत ही संसाधित किया जा रहा है। भारत में लाखों टन अनाज खुले में सड़ रहा है। यह सब ऐसे समय हो रहा है, जब करोड़ों लोग भूखे पेट सो रहे हैं और छह साल से छोटे बच्चों में से 47 फीसदी कुपोषण के शिकार हैं। भूख की वैश्विक समस्या को तभी हल किया जा सकता है, जब उत्पादन बढ़ाया जाए। साथ ही उससे जुड़े अन्य पहलुओं पर भी समान रूप से नजर रखी जाए। खाद्यान्न सुरक्षा तभी संभव है, जब सभी लोगों को हर समय, पर्याप्त, सुरक्षित और पोषक तत्वों से युक्त खाद्यान्न मिले, जो उनकी आहार संबंधी आवश्यकताओं को पूरा कर सके। साथ ही कुपोषण का रिश्ता गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, आदि से भी है। इसलिए कई मोर्चों पर एक साथ मजबूत इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करना होगा।

(लेखक पत्रकार हैं)

इस्त्राइल-हमास युद्धविरामः आशा की किरण या अस्थायी विराम?

गाजा की धरती लम्बे दौर से संघर्ष, हिंसा, विनाश और तबाही की त्रासदी की गवाह रही है, आज फिर एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ शांति की एक हल्की किरण दिखाई तो देती है, परंतु उसके चारों ओर धुएँ और राख का अंधकार अब भी विद्यमान है। हाल ही में हुए युद्ध-विराम ने न केवल मध्यपूर्व बल्कि समूचे विश्व को राहत की एक साँस दी है। गाजा में अमन-चैन की ओर जो सुखद कदम बढ़े हैं, उनका स्वागत होना चाहिए। परंतु यह सवाल भी उतना ही प्रासंगिक है कि क्या यह शांति स्थायी होगी, या यह केवल अगली लड़ाई से पहले का ठहराव भर है? समूची दुनिया चाहती है कि यह युद्ध विराम स्थायी हो क्योंकि इस्त्राइल और हमास के संघर्ष ने करीब बाइस लाख से अधिक लोगों को बेघर करके भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। ऐसे में दोनों पक्षों के लिये समझौते के पहले चरण को पूरी तरह से लागू करना बेहद जरूरी होगा। जिसमें बंधकों व कैदियों की रिहाई, गाजा में मानवीय सहायता को अनवरत जारी रखना और इस्त्राइली सेनाओं की गाजा के मुख्य शहरों से आंशिक वापसी सुनिश्चित करना भी शामिल है। यह सब दूसरे चरण की बातचीत पर निर्भर हैं। यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इसके बाद ही दूसरे चरण की बातचीत की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। यह बेहद मुश्किल चुनौतियों वाला चरण होगा। इस दौरान कई संवेदनशील मुद्दे सामने होंगे। सबकी निगाह इस पर होगी कि शांति समझौते के अगले चरण कब पूरे होते हैं और वे सही तरह पूरे होते भी हैं या नहीं? इस पर संशय इसलिए है, क्योंकि यह स्पष्ट नहीं कि इजरायली सेना गाजा में कितना पीछे हटेगी और वहां के प्रशासन को संचालित करने का कैसा तंत्र तैयार होगा और क्या उस पर हमास सहमत होगा? इसके अतिरिक्त जहां हमास को हथियार छोड़ने हैं, वहीं इजरायल को स्वतंत्र फिलस्तीन देश की राह आसान करनी है। हमास का कहना है कि हथियार तब छोड़े जाएंगे, जब स्वतंत्र फिलस्तीन का रास्ता साफ होगा। इस पर इजरायल तैयार नहीं दिख रहा है। यह ठीक है कि स्वयं की ओर से प्रस्तावित गाजा शांति समझौते पर अमल शुरू होने के अवसर पर मिस्र जाने के पहले इजरायल पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी पहल को पश्चिम एशिया में शांति की स्थापना का पथ करार दिया और इजरायली प्रधानमंत्री से ईरान से समझौता करने को कहा। ऐसे किसी समझौते की सूरत तब बनेगी, जब ईरान इजरायल को मिटाने की अपनी जिद छोड़ेगा।

गाजा की वर्तमान स्थिति किसी एक राष्ट्र या एक नीति की देन नहीं है; यह दशकों से चली आ रही अविश्वास, असमानता और राजनीतिक स्वार्थों की परिणति है। इस बार के संघर्ष ने जिस तरह से निर्दोष नागरिकों, बच्चों और महिलाओं को अपना शिकार बनाया, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि युद्ध चाहे किसी भी नाम पर लड़ा जाए, उसका परिणाम हमेशा मानवीय त्रासदी ही होता है। अस्पताल, विद्यालय, धार्मिक स्थल-कोई भी स्थान सुरक्षित नहीं रहा। अमेरिकी मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते के बाद हमास ने आखिरकार शेष जीवित बचे बीस इस्त्राइली बंधकों को रिहा कर दिया। जिसके बाद इस्त्राइल में किसी बड़े उत्सव जैसा जश्न दिखा। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अभी भी इस्त्राइल-हमास जोखिमभरा युद्धविराम समझौता नाजुक बना हुआ है। इसकी वास्तविक परीक्षा आने वाले दिनों में होगी। इस संघर्षरत क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये जरूरी है कि प्रमुख हितधारकों की ओर से गंभीर एवं ईमानदार प्रयास लगातार होते रहें। वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती भूतहा खण्डहर एवं तबाही में तब्दील हो चुके गाजा के पुनर्निर्माण की होगी। दो साल से लगातार जारी युद्ध के चलते यह इलाका मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है।

एक नाजुक समय में जब युद्धविराम की घोषणा हुई, तो यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं है, बल्कि मानवीय विवेक का पुनर्जागरण भी है। यह समझना आवश्यक है कि शांति कोई समझौता नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आवश्यकता है। यही कारण है कि यह युद्धविराम पूरी मानवता के लिए एक 'आशा की किरण' बनकर उभरा है। यह उस संभावना का प्रतीक है कि जब दुनिया के शक्तिशाली देश, विशेषकर अमेरिका, यूरोप, और अरब राष्ट्र अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं से ऊपर उठकर मानवीय सरोकारों को महत्व देते हैं, तो समाधान की दिशा में रास्ता बनता है। फिर भी इस शांति की वास्तविकता पर प्रश्नचिह्न बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भले ही इस युद्धविराम को अपने कूटनीतिक प्रयासों की उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया हो, पर सच यह है कि युद्ध तब रुका जब उसकी भयावहता अपनी चरम सीमा पर पहुँच चुकी थी। यह विराम किसी की 'कूटनीति की जीत' से अधिक, मानवीय विवशता की उपज है। अंतरराष्ट्रीय दबाव, मानवीय संगठनों की सक्रियता और आम नागरिकों की पुकार ने मिलकर इस विराम को संभव बनाया। अब सबसे बड़ी चुनौती यह है कि यह शांति टिके, युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला फैले। क्योंकि जब तक गाजा के लोगों को जीवन की मूलभूत सुविधाएँ-पानी, भोजन, दवा, शिक्षा और सम्मानजनक जीवन नहीं मिलते, तब तक शांति केवल कागजों पर दर्ज रहेगी। वास्तविक शांति केवल तब संभव है जब अन्याय, दमन और असमानता के ढाँचे टूटें। शांति का अर्थ केवल हथियारों का मौन नहीं, बल्कि हृदयों का परिवर्तन है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायली संसद को संबोधित करते हुए गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया की ऐतिहासिक सुबह की संज्ञा दी। वे कुछ भी दावा करें, फिलहाल यह कहना कठिन है कि प्रमुख मुस्लिम देश इजरायल को मान्यता देने के लिए तैयार होंगे। भले ही ट्रंप यह कह रहे हों कि गाजा शांति समझौते को सभी मुस्लिम देशों का समर्थन मिला, लेकिन वस्तुस्थिति इससे अलग है। जब यह समझौता सामने आया था, तब उसे समर्थन देने और ट्रंप की प्रशंसा करने वालों में पाकिस्तान भी था, पर अब वह इस समझौते को समर्थन देने से केवल पीछे ही नहीं हट गया, बल्कि उसने अपने यहां ऐसा माहौल बनाया कि उसके विरोध में कट्टरपंथी तत्व सड़क पर उतर आए। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि पाकिस्तान ने गाजा शांति समझौते को नकारने के लिए ही कट्टरपंथी तत्वों को सड़कों पर उतरने के लिए उकसाया और फिर उन पर गोलियां भी चलवाईं, ताकि दुनिया और विशेष रूप से अमेरिका को यह संदेश जाए कि उसके लिए गाजा शांति समझौते को स्वीकार करना संभव नहीं। यहां अमेरिका को पाक के दोहरे चरित्र को समझ लेना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ, अरब लीग और विश्व की सभी बड़ी शक्तियों की जिम्मेदारी है कि वे इस युद्धविराम को केवल घोषणा भर न रहने दें। उसे स्थायी बनाने के लिए एक ठोस मानवीय पुनर्निर्माण योजना तैयार की जाए, जिसमें राजनीतिक समाधान, मानवीय सहायता और संवाद-तीनों को समान महत्व मिले। गाजा के बच्चे जब फिर से स्कूलों में लौटेंगे, जब शरणार्थी अपने घरों में बस सकेंगे, जब भय की जगह भरोसा जन्म लेगा, तभी यह कहा जा सकेगा कि गाजा में शांति आई है। इजरायल को यहां ज्यादा उदारता का परिचय देना होगा, क्योंकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह बहुत ताकतवर है। हमास को भी हिंसा से बचना चाहिए। द्वि-राष्ट्रीय व्यवस्था को जमीन पर ठीक से साकार करना हमास का लक्ष्य होना चाहिए । हमास को अपनी छवि सुधारने की चिंता करनी चाहिए, अगर उस पर यकीन किया गया है, तो उसे खरा उतरना होगा। गाजा में किसी भी सूरत में हिंसा की वापसी नहीं होनी चाहिए। आज यह युद्धविराम भले ही 'एक आशा की किरण' बना हो, परंतु उसे स्थायी प्रकाश में बदलना विश्व समुदाय के विवेक, संवेदनशीलता और सतत प्रयास पर निर्भर करता है।

अमरोहा
गुरुवार-16 अक्टूबर 2025
www.sabkasapna.com
अमरोहा
हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

कलेक्ट्रेट में कार्यक्रम का हुआ सजीव प्रसारण, लाभार्थियों को दिया गया प्रतीकात्मक चेक एवं सिलेण्डर

अमरोहा (सब का सपना):- प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लखनऊ में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 1500 करोड की धनराशि के प्रदेश के 1.86 करोड पात्र परिवारों को निःशुल्क रसोई गैस सिलेण्डर रिफिल सब्सिडी का वितरण किया गया। इसी क्रम में बुधवार को कलेक्ट्रट स्थित नवीन सभागार में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को मुख्य अतिथि विधायक हसनपुर महेंद्र सिंह खड़गवंशी, जिलाध्यक्ष भाजपा उदयगिरी गोस्वामी, जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, ब्लॉक प्रमुख अमरोहा गुरेंद्र सिंह ढिल्लो द्वारा लाभार्थियों को प्रतीकात्मक रूप से चेक एवं गैस सिलेण्डर प्रदान किये गए। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया और मुख्यमंत्री का उद्बोधन सुना गया। हसनपुर विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने दीपावली की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि निःशुल्क सिलेण्डर रिफिल देना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्रदेश वासियों के लिए दीपावली का तोहफा है। विधायक ने कहा कि सरकार ने पात्रों को निःशुल्क राशन वितरण, आवास, आयुष्मान योजना के अन्तर्गत 05 लाख रुपए तक का इलाज और उज्जवला योजना के तहत निःशुल्क गैस सिलेण्डर वितरित किये गए। उन्होंने उपस्थित सभी से दिपावली की खरीदारी स्वदेशी उत्पादों से करने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष भाजपा उदयगिरी गोस्वामी ने कहा कि गैस सिलेण्डर के प्रयोग से धुंए से होने वाली आंख और सांस की बीमारियों से बचा जा सकता है। पारदर्शी व्यवस्था के तहत आज डीबीटी के माध्यम से सब्सिडी का पैसा सीधा लाभार्थियों के खातों में भेजा जा रहा है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने बताया कि योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों को सिलेण्डर रिफिल की सब्सिडी प्रदान की गई। जनपद में 01 लाख 61 हजार 216 लाभार्थियों को उज्जवला योजना के अन्तर्गत लाभान्वित किया जाना है। डीएम ने उपस्थित सभी से स्वदेशी को अपनाने और उनका प्रचार करने का आह्वान किया। अध्यक्षा नगर पालिका परिषद शशि जैन ने कहा कि सरकार द्वारा उज्जवला योजना के तहत गरीब और वंचितों को दिये गए निःशुल्क सिलेण्डर घर की आवश्यकता पूरी होने के साथ उन्हें बीमारियों से भी बचाकर सुरक्षा प्रदान करेगा। ब्लॉक प्रमुख अमरोहा गुरेंद्र सिंह ढिल्लो ने कहा कि सरकार द्वारा बिना भेदभाव के जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी को दिया जा रहा है। जिला पूर्ति अधिकारी रीना कुमारी ने बताया कि योजनान्तर्गत लाभार्थियों को वित्तीय वर्ष 2025-26 के प्रथम चरण में माह अक्टूबर 2025 से दिसम्बर 2025 तक तथा द्वितीय चरण में जनवरी 2026 से मार्च 2026 तक निःशुल्क सिलेण्डर रिफिल प्रदान किया जाना है । उज्जवला लाभार्थी के0वाई0सी0 की प्रक्रिया पूर्ण करने उपरान्त अपनी गैस ऐजेन्सी से उक्त समयावधि में निशुल्क फ्री रिफिल योजना का लाभ प्राप्त कर सकते है । कार्यक्रम में गैस कम्पनियों के प्रतिनिधियों सहित संबंधित अधिकारी एवं लाभार्थी उपस्थित रहें।

यातायात पुलिस द्वारा भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में चलाया गया चेकिंग अभियान

यातायात नियमों का पालन न करने वाले 260 वाहन चालकों के विरुद्ध की गई कार्यवाही

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देश पर यातायात पुलिस द्वारा जनपद के विभिन्न प्रमुख मार्गों, चौराहों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में व्वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चालकों, बिना सीट बेल्ट चारपहिया वाहन चालकों, नो पार्किंग में वाहन खड़े करने वालों अवैध हूटर , तथा यातायात नियमों का पालन न करने वाले 260 वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम (ट्श अू३) के अंतर्गत कार्यवाही की। साथ ही शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों की भी जांच की गई। ब्रेथ एनालाइजर से जांच के दौरान वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई और उन्हें यातायात सुरक्षा के प्रति जागरूक भी किया गया। अभियान के अंतर्गत 260 वाहनों के चालान किए गए चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों ने आम जनता को यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य प्रयोग, तथा सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में जानकारी दी।यातायात अनुशासन बनाए रखने तथा दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए इस प्रकार के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, वहीं नियमों का पालन करने वालों को प्रोत्साहित किया ।

बेटा की तरह बेटियों को भी समान शिक्षा और समान अवसर दिया जाए

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में मिशन शक्ति फेस-5.0 जागरूकता अभियान के क्रम में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के आदेशों के अनुपालन में तथा मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी, राकेश सिंह के दिशा निर्देश पर पार्टनर फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन एंड चिल्ड्रन थीम पर सी0एच. कासिम मेमोरियल पब्लिक स्कूल, ग्राम पिपलौती खुर्द ब्लॉक गंगेश्वरी में कार्यक्रम आयोजित किया गया। करूणा निधि, मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता द्वारा कहा गया कि लड़के ओर लड़कियां एक समान है, परन्तु व्यवहारिक रूप से लोग इसे अपने पर लागू नही करते है। बचपन से ही उनके साथ भेदभाव शुरू हो जाता है। बेटा- बेटी का फर्क मिटाने के बाद ही सही मायने में नारी सशक्तिकरण की अवधारणा चरितार्थ होगी। आज बेटियों हर क्षेत्र में बेटो से आगे है। बेटा की तरह बेटियों को भी समान शिक्षा और समान अवसर दिया जाए, तो बेटियां सफलता का परचम लहरा सकती है। समाज को अपनी रूढ़िवादी सोच बदलनी होगी। इसके अलावा महिला कल्याण विभाग की मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना तथा हेल्पलाइन नंबर 1090, 1098 ,181 और एंबुलेंस सेवा 102 और 108 के बारे में बताया गया। इसके अलावा वन स्टाप सेंटर की टीम द्वारा वन स्टॉप सेंटर की जानकारी और चाइल्ड लाइन द्वारा बाल श्रम तथा बाल संरक्षण अधिकारी द्वारा बच्चों के कानूनी अधिकार और बाल विवाह व बाल श्रम के खिलाफ जागरूक किया गया।

एससी एसटी बेसिक टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन की जिला स्तरीय बैठक का किया गया आयोजन

ब्लाक गंगेश्वरी एवं हसनपुर में नवीन कार्यकारिणी का किया गया गठन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- एससी एसटी बेसिक टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन ब्लॉक सभागार हसनपुर में किया गया। बैठक में ब्लॉक गंगेश्वरी एवं ब्लॉक हसनपूर की नवीन कार्यकारिणी का गठन भी किया गया। बैठक में बोलते हुए संगठन के जिला अध्यक्ष करतार सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षकों की लड़ाई एससी एसटी बेसिक टीचर्स वेलफेयर संगठन मजबूती के साथ लड़ रहा है। उन्होंने सभी शिक्षकों से मजबूती से संगठन के साथ जुड़े रहने का आह्वान शिक्षकों से किया। जिला अध्यक्ष करतार सिंह ने कहा कि किसी भी स्तर पर जनपद में किसी भी शिक्षक का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए हसनपुर व गंगेश्वरी ब्लॉक के नवीन कार्यकारिणी के गठन की घोषणा की। जिसमें ब्लॉक गंगेश्वरी से ब्लॉक अध्यक्ष विजेंद्र सिंह, ब्लॉक महामंत्री भागीरथ सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष थान सिंह, कोषाध्यक्ष नरेश सिंह, संयुक्त मंत्री वीरेंद्र सिंह, ऑडिटर दयाचंद, ब्लॉक प्रवक्ता सुभाष कुमार, मीडिया प्रभारी विकास राहुल, महिला उपाध्यक्ष गीता रानी को पदाधिकारी नियुक्त किया गया वहीं हसनपुर ब्लॉक से ब्लॉक अध्यक्ष निर्देश कुमार, महामंत्री गुड्डू सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष करतार सिंह,कोषाध्यक्ष ब्रह्म ज्ञान, संयुक्त मंत्री हरेन्द्र सिंह, आडीटर सुंदर सिंह, प्रवक्ता अशोक कुमार, मीडिया प्रभारी सुधीर सिंह, महिला उपाध्यक्ष ओमवती देवी को पदाधिकारी नियुक्त किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए मंडल वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद कुमार गौतम ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षक अभी हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्णय से आहत हैं क्योंकि उक्त निर्णय के अनुसार वर्ष 2011 से पूर्व सभी शिक्षकों को टीईटी की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।संगठन के माध्यम से हम सभी शिक्षकों को विश्वास दिलाते हैं कि आप सभी संगठन पर विश्वास रखिए। आपकी यह लड़ाई मजबूती से संगठन के माध्यम से लड़ी जा रही है। उन्होंने उपस्थित सभी शिक्षकों से संगठन में पूर्ण आस्था रखते हुए जो जिम्मेदारी आपको प्रदान की गई है उसे पर खरा उतरने की अपील नवनियुक्त पदाधिकारियों से की। इस अवसर पर जिला महामंत्री जगबीर सिंह,वरिष्ठ उपाध्यक्ष नीरज कुमार निमल,जिला कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश त्रिपाठी, ऑडिटर प्रवीण कुमार, जिला प्रवक्ता रूपेंद्र सिंह,सुरेंद्र व्यास, करणपाल, विकास राहुल, प्रमोद कुमार आर्य, देशराज सिंह,हरवीर सिंह,हरेन्द्र सिंह, प्रवीन, कुमार,बलवान सिंह, सत्यप्रकाश गौतम,सुरेंद्र प्रकाश व्यास, संजीव कुमार ,संजीव मौर्य, नरेंद्र सिंह, करणवीर सिंह, संजय सिंह, विरेन्द्र सिंह,जिला महिला उपाध्यक्ष रेखा रानी, ओमवती देवी,सविता, देशराज सिंह,आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला संरक्षक हरिराम सिंह ने की एवं संचालन जिला महामंत्री जगवीर सिंह ने किया। ब्लॉक हसनपुर एवं गंगेश्वरी के नवनियुक्त पदाधिकारी को फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया। ब्लॉक गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष विजेंद्र सिंह, ब्लॉक महामंत्री भागीरथ सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष थान सिंह, कोषाध्यक्ष नरेश सिंह, संयुक्त मंत्री वीरेंद्र सिंह, ऑडिटर दयाचंद, ब्लॉक प्रवक्ता सुभाष कुमार, मीडिया प्रभारी विकास राहुल, महिला उपाध्यक्ष गीता रानी को पदाधिकारी नियुक्त किया गया वहीं हसनपुर ब्लॉक से ब्लॉक अध्यक्ष निर्देश कुमार, महामंत्री गुड्डू सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष करतार सिंह,कोषाध्यक्ष ब्रह्म ज्ञान, संयुक्त मंत्री हरेन्द्र सिंह, आडीटर सुंदर सिंह, प्रवक्ता अशोक कुमार, मीडिया प्रभारी सुधीर सिंह, महिला उपाध्यक्ष ओमवती देवी को पदाधिकारी नियुक्त किया गया।

अगम्य सदन की अक्षी, पल्लवी, आशी एवं शुभ ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए वाद- विवाद प्रतियोगिता में बाजी मारी

अमरोहा (सब का सपना):- अग्रणी शिक्षण संस्थान द आर्यंस, जोया में आज दिनांक 15 अक्टूबर 2025 को अंतर सदनीय अंग्रेजी वाद -विवाद प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया ' जिसका विषय रहा मोबाइल का प्रयोग उपयोगी या अनुपयोगी ' प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य आदेश सिंह के संबोधन से हुआ ' प्रतियोगिता के दौरान एक पक्ष के छात्र- छात्राओं ने मोबाइल के उपयोग से होने वाले लाभ गिनाए तो वहीं विपक्ष ने मोबाइल के उपयोग से होने वाली हानियां भी बताई। वाद -विवाद प्रतियोगिता में पक्ष और विपक्ष के सभी प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। जिसमें अतुल्य सदन से अंशिका गुनिका, वंशिका सैनी,तनिष्का अग्रिम सदन से ज्योत्सना,कशिश, साफिया एवं सिमर अपराजित सदन से अभिनव हिफजा,ओजस्वी और अवन्या तथा अगम्य सदन से अक्षी,पल्लवी, आशी एवं शुभ आदि विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया ' उत्साही विद्यार्थियों ने अद्भुत और उत्साहपूर्ण ढंग से अपने विचार व्यक्त किए ' प्रतियोगिता में अगम्य सदन ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए प्रथम, अपराजित सदन द्वितीय एवं अतुल्य सदन तृतीय स्थान पर रहे ' निष्पक्ष निर्णायक समिति में शगुफ्ता हामिद एवं गतिविधि प्रभारी जागृति कौशिक का सराहनीय योगदान रहा ' कक्षा 12 से नमन सिंह,रिनी चौधरी एवं लकी मांगट की मंच संचालन में अहम भूमिका रही ' इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं को कराने का उद्देश्य बच्चों में सार्वजनिक भाषण की खोज करना और उसे प्रोत्साहित करना तथा उन्हें अपना कौशल दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करना है इतना ही नहीं ऐसी प्रतियोगिताएं न केवल विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद करती हैं, बल्कि भविष्य में विभिन्न प्रकार के अवसरों के द्वार भी खोलती हैं यह आयोजन छात्र- छात्राओं को अपनी बुद्धिमत्ता और वक्तृत्व कला में सुधार करने का एक अनूठा मंच प्रदान करेगा ' इस मौके पर प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह, अनिल कुमार सिंह व निदेशक अमन लिट्ट एवं गौरव चौधरी ने संयुक्त रूप से सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन छात्र-छात्राओं के नैतिक,बौद्धिक और कौशलिक विकास को प्रोत्साहित करता है। इस अवसर पर विद्यालय के अजीत सिंह, ममता, जागृति कौशिक, शुभम शर्मा, विनीत कुमार शर्मा, सुमित चौधरी, अंजना, सतोष, प्रेरिता, रिया, अनिल कुमार, फुरकान सैफी, सचिन शर्मा, सोनू, चांदनी बत्रा, प्रगति टंडन, सुचित्रा, कुमुद, सोनू, शिवानी सरोहा, रुकैया, ममता, कल्पना, अजीत सिंह, रुचि सिंह, सचिन कुमार यादव, शिवम कुमार रोहित कुमार, खुशबू चौधरी, प्रियंका देवी, प्रतीक कुमार, रमनबाला, शीतल यादव, शैलजा चौधरी, आकाश शर्मा, विपिन कुमार, पूजा, धीरज महलवार, अदिति, अनुज, सिखा आनंद, सुमित कुमार, नाहिद नकवी, रचना, अभिषेक सुमन, शिवानी गुप्ता, नीतू राज, शालिनी वर्मा, स्वाति चौधरी,हुमा बेबी आदि शिक्षकगण उपस्थित रहे '

आगामी त्यौहारों के मद्देनजर खाद्य विभाग की छापेमारी जारी

गजरौला क्षेत्र में 4.5 क्विंटल नकली पनीर जब्त,कारीगर व मालिक फरार

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली क्षेत्र में आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए खाद विभाग ने बड़ी कार्यवाही की है ,खाद्य विभाग की टीम ने गजरौला क्षेत्र के गांव मोहरका पट्टी के जंगलों में चल रही एक नकली पनीर की फैक्ट्री पर छापे मारी के दौरान वहां से 4.5 कुंतल पनीर को जप्त किया है। खाद्य विभाग की टीम द्वारा यह कार्यवाही दिल्ली रेल लाइन के निकट की गई। टीम के पहुंचने से पहले ही फैक्ट्री में मौजूद कारीगर और फैक्ट्री मालिक मौके से फरार हो गए, वहीं जप्त किए गए नकली पनीर की कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपए बताई जा रही है। बता दें कि अमरोहा डीएम निधि गुप्ता के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के सहायक आयुक्त खाद द्वितीय विनय कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में टीम ने यह छापा मारा। इस दौरान मौके पर पनीर को सीमेंट की होदियों में गंदे पानी में रखा पाया गया। जिससे फैक्ट्री में गंदगी का अंबार था। बताया जा रहा है कि यह फैक्ट्री बिना लाइसेंस के संचालित हो रही थी जांच में पता चला की फैक्ट्री संचालक इरफान है, जो पहले भी नकली दूध और पनीर बनाने के आरोप में पकड़ा जा चुका है, वह लंबे समय से मिलावट का यह गोरख धंधा चला रहा था। सहायक खाद आयुक्त ने बताया कि इरफान इस मिलावटी पनीर को अमरोहा , हापुड़, मेरठ, बिजनौर, गाजियाबाद और दिल्ली के लिए छोटे दुकानदारों को आपूर्ति कराता था जिसमें वह भारी मुनाफा कमा रहा था।

अपर जिलाधिकारी (वि/रा)की अध्यक्षता में कर-करेत्तर एवं राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):- अपर जिलाधिकारी(वि/रा) गरिमा सिंह की अध्यक्षता में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेंद्र प्रताप जी की उपस्थिति कलैक्ट्रेट सभागार में कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि विकास एवं निर्माण कार्यों को सतत रूप से जारी रखने के लिए विभिन्न माध्यमों से प्राप्त होने वाले राजस्व की शत-प्रतिशत वसूली की जाए। एडीएम ने भू राजस्व, परिवहन, स्टांप, आबकारी, खनिज, नगर निकाय, गन्ना, वाणिज्य कर, मंडी, सिंचाई, बांट माप, बैंक, विद्युत एवं अन्य विभिन्न विभागों के लक्ष्य के सापेक्ष वसूली की समीक्षा करते हुए कहा कि जो शासन द्वारा लक्ष्य निर्धारित किया गया है उसी के सापेक्ष सभी विभाग प्रगति प्राप्त करें। उन्होंने उप जिलाधिकारियों से कहा कि आरसी वसूली शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराएं। तहसीलदार वसूली पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया कि राजस्व वादों में दायरे के अनुसार निस्तारण सुनिश्चित कराएं। साथ ही पुराने वादों का निस्तारण सुनिश्चित कराएं। सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया कि समय सीमा निर्धारित कर आरसी का मिलान कर विसंगतियां दूर करें। अपर जिलाधिकारी ने विद्युत, वानिकी, सिंचाई, खनिज एवं बैंक की कम वसूली होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि लक्ष्य के सापेक्ष अभियान चलाते हुए वसूली की जाए। उन्होंने नगर निकायों की समीक्षा करते हुए गत वर्ष की उपलब्धि के सापेक्ष बहुत कम वृद्धि पर नाराजगी जताते हुए सुधार लाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर समस्त एसडीएम, तहसीलदार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आगामी योहारों के दृष्टिगत शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए हुई बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद की अध्यक्षता एवं अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह की उपस्थिति में कलैक्ट्रेट सभागार में त्योहारों के दृष्टिगत शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस, प्रशासनिक एवं विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गयी। उन्होंने कहा कि दीपावली, धनतेरस, गोवर्धन, भैया दूज एवं छट पर्व पर पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी निरन्तर सक्रिय रूप से भ्रमणशील रहते हुए कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखें। उन्होंने जनपद एवं तहसील क्षेत्रों में लगाने वाले पटाखा बाजार के संबंध निर्देशित किया कि एसडीएम-सीओ सुनिश्चित करें कि घनी आबादी में पटाखों की बिक्री न होने दी जाए, आतिशबाजी बाजार निर्धारित स्थानों पर ही लगाए जाएं। सुरक्षा मानकों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने धनतेरस पर सराफा बाजार समेत मुख्य बाजार एवं अन्य भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के साथ ही सुगम यातायात सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि त्योहारी त्योहारी सीजन में मिठाईयों की मागं बढ़ जाने से मिलावटखोरों के सक्रिय होने की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने निर्देश दिये कि दीपावली के त्योहारों को देखते हुए मिलावटखोरों के विरूद्ध छापामार अभियान शुरू किया जाए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि त्योहारों पर विशेष सतर्कता एवं सुरक्षा बरती जाए, अफवाहों पर ध्यान न दिया जाए। सोशल मीडिया पर पैनी निगाह रखी जा रही है, अफवाह फैलाने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने समस्त पुलिस क्षेत्राधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्धारित स्थानों के अलावा पटाखों की बिक्री को पूरी तरह से प्रतिबन्धित रखा जाए। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह ने दीपावली के अवसर पर विद्युत की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने और ढीले तारों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने साफ-सफाई, पेयजल, और पथ-प्रकाश की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के आदेश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि पटाखों की बिक्री वाले स्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। इसके लिए विद्युत और फायर सेफ्टी की एनओसी प्रदान करने से पहले सुरक्षा मानकों की कड़ाई से जांच की जाए। बैठक में सभी उपजिलाधिकारी, सभी सीओ, थानाध्यक्ष एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गजरौला में भाकियू (शंकर) का हल्ला बोल प्रदर्शन

किसानों ने 10 बड़ी मांगों को सरकार के सामने रखा,पूरी ना होने पर दी आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता/धनौरा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगरपालिका क्षेत्र के फाजलपुर में मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन (शंकर) का जबरदस्त शक्ति प्रदर्शन देखने को मिला। मुख्य अभियंता कार्यालय के सामने किसानों ने धरना-प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की,राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह की अगुवाई में किसानों ने 10 अहम मांगों के साथ सरकार को दो टूक कहा अब नहीं तो लखनऊ कूच तय है।किसानों की 10 बड़ी मांगों में भ्रष्टाचार पर रोक,पुलिस व प्रशासनिक विभागों में बढ़ते भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई की मांग,जहरीली फैक्ट्रियां बंद करो गजरौला की इंडस्ट्रियों से निकल रहे जानलेवा प्रदूषण पर किसानों का हमला, गन्ना 518 प्रति क्विंटल,पेराई सत्र 2025-26 से पहले नई दर घोषित करने की मांग, बिजली दरों में राहत,निजीकरण व घरेलू दरों की बढ़ोतरी वापस लेने की अपील, डिजिटल सुविधा सुधारो,भूलेख व खतौनी की प्रक्रिया आसान करने की मांग,अमरोहा विकास प्राधिकरण गठन,साथ ही तिगरी गंगाधाम में शवदाह गृह और रिवर फ्रंट बनाने का प्रस्ताव,नहरों में पर्याप्त पानी मध्य गंगा नहर फेस-2 में तेज गति से जल आपूर्ति की मांग।ग्रामीण परिवहन व्यवस्था गांवों के लिए नियमित बस सेवा और तहसीलों में रजिस्ट्री कार्यालय खोलने की मांग,चकबंदी पर रोक किसानों की इच्छा के विरुद्ध चकबंदी न कराए जाने की मांग,केसीसी लिमिट ड्ढ5 लाख तक बैंकों द्वारा उत्पीड़न रोकने की भी चेतावनी।किसानों ने साफ कहा अब और नहीं सहेंगे अन्याय।मांगे नहीं मानीं तो आंदोलन की लहर लखनऊ तक जाएगी।हमारी लड़ाई किसानों के हक और भ्रष्टाचार के खिलाफ है। अगर सरकार ने अब भी नहीं सुना तो आने वाले दिनों में बड़ा आंदोलन होगा।

कल्कि महोत्सव में मिशन शक्ति फेज-05 के तहत महिलाओं व बालिकाओं को किया गया जागरूक

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- बडा मैदान कस्बा बहजोई में चल रहे सम्भल कल्कि महोत्सव ,विकासोत्सव 2025 के मंच पर उत्तर प्रदेश शासन के 'मिशन शक्ति फेज-05' अभियान के अंतर्गत सम्भल पुलिस की मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं और बालिकाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार की मौजूदगी में महिला थाना पुलिस टीम ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता फैलाई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, आत्मरक्षा और अपराध के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित करना था। मिशन शक्ति टीम ने उपस्थित महिलाओं और बालिकाओं को अभियान के लक्ष्यों से अवगत कराया, जिसमें महिलाओं के लिए सुरक्षित और सशक्त माहौल तैयार करना शामिल है। उन्हें आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और अपनी सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी गई। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने इस अवसर पर महिलाओं और बालिकाओं को मिशन शक्ति के तहत उपलब्ध सुविधाओं और सहायता तंत्र के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना की और इसे महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

अमरोहा ट्रेड फेयर में मेगा हेल्थ कैंप का हुआ आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- अमरोहा ट्रेड फेयर में मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, अमरोहा शशि जैन तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी , डॉ सतपाल सिंह, द्वारा स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन संयुक्त रूप से किया गया। मेले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा की जा रही गतिविधियों तथा कार्यक्रमों के विषय में सूचनाएं प्रदर्शित की गई, तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा बीमारियों से बचाव के संबंध में लोगों को संवेदीकृत तथा जागरूक किया, विशेष रूप से मानसिक रोग विशेषज्ञ द्वारा लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के बारे में संवेदीकृत किया, संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम जो की 5 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025, तक चल रहा है तथा दस्तक अभियान 11 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक चल रहा है के विषय में भी संबंधित अधिकारियों द्वारा जागरूक किया गया , तथा विभिन्न कार्यक्रम के बैनर पोस्टर मेले में प्रदर्शित किए गए। कार्यक्रम के दोरान जनपद में स्वास्थ्य सेवा में बेहतर कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया गया इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला संयुक्त चिकित्सालय अमरोहा, डिप्टी सीएमओ तथा संबंधित कार्यक्रमों के नोडल अधिकारियों तथा कार्यक्रम संयोजकों द्वारा बढ़-चढ़कर भाग लिया गया।

दीपावली से पहले खाद्य पदार्थों में मिलावट पर सख्ती, 150 किलो मिठाई नष्ट, नमूने जांच के लिए भेजे गए

सम्भल(सब का सपना):- आगामी दीपावली, गोवर्धन पूजा और भैया दूज के पर्वों को देखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग, जनपद सम्भल ने खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ प्रभावी अभियान शुरू किया है। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ और जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग के प्रवर्तन दल द्वारा जनपद के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया जा रहा है। 15 अक्टूबर को निरीक्षण के दौरान मिलावट के संदेह पर खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए,रॉयल स्वीट्स, सरायतरीन, सम्भल से मावा। दक्ष स्वीट्स, सरायतरीन, सम्भल से छेना रसगुल्ला। मटरू स्वीट्स, सरायतरीन, सम्भल से रंगीन रसगुल्ला। टैम्पटेशन फूड, नगर पालिका सम्भल से रेड वेलवेट कुकीज। निरीक्षण के दौरान दक्ष स्वीट्स और मटरू स्वीट्स में खाद्य पदार्थों का भंडारण अस्वच्छ परिस्थितियों में पाया गया, जिसके चलते 150 किलोग्राम रंगीन रसगुल्ला और अन्य मिठाइयों को नष्ट करवाया गया। इसके अलावा, टैम्पटेशन फूड के किचन और फ्रिज में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई। इस संबंध में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 की धारा-32 के तहत सुधार के लिए नोटिस जारी किया गया है। नोटिस का पालन न करने पर खाद्य कारोबारकर्ता के खिलाफ कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने बताया कि 8 अक्टूबर से शुरू हुए इस अभियान के तहत अब तक विभिन्न खाद्य पदार्थों के 30 नमूने संग्रहित कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे जा चुके हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग ने जनता से अपील की है कि त्योहारी सीजन में खाद्य पदार्थ खरीदते समय सतर्कता बरतें और अस्वच्छ या संदिग्ध गुणवत्ता वाले उत्पादों की जानकारी विभाग को दें।

संभल पुलिस ने किया एक वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

बनियाठेर/संभल(सब का सपना):- जनपद में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और अपराधियों पर नकेल कसने के जनपद में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत अपराध और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में थाना बनियाठेर की पुलिस टीम ने एक वारंटी अभियुक्त इन्द्रपाल, पुत्र रामचन्द्र, निवासी बरसौली, थाना हसायन, जनपद हाथरस को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार इन्द्रपाल को टी प्वाइंट चन्दौसी-मुरादाबाद हाईवे से पकड़ा गया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने पुलिस टीम की सराहना की और कहा कि जनपद में कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्रवाइयां निरंतर जारी रहेंगी। जनपदवासियों से भी अपील की है कि वे पुलिस के साथ सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

समाजवादी पार्टी की बैठक,डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की मनाई जयंती

सपा कार्यकर्ताओं ने डॉ. कलाम के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए

बहजोई/संभल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी की एक बैठक आज बहजोई स्थित डीएम कार्यालय के पास कैंप कार्यालय में आयोजित की गई। इस अवसर पर भारत के मिसाइल मैन और पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती मनाई गई। बैठक में जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी, जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार सहित वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने डॉ. कलाम के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम न केवल एक महान वैज्ञानिक थे, बल्कि भारत रत्न और पद्म भूषण से सम्मानित पूर्व राष्ट्रपति भी थे। उनके वैज्ञानिक कार्यों और तकनीकी विकास ने देश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। उन्होंने 1998 में पोखरण द्वितीय परमाणु परीक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी लिखी पुस्तकों ने समाज सेवा को प्रेरित किया, और उनकी विरासत हमेशा देशवासियों को गर्व प्रदान करेगी। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने कहा कि डॉ. कलाम ने भारत को वैश्विक मंच पर सम्मान दिलाया। उनकी उपलब्धियां देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। बैठक में शोभित कुमार काका, जिला उपाध्यक्ष सद्दाम कुरेशी, नगर अध्यक्ष उमेश यादव, प्रदेश सचिव महिला सभा संगीता पाल, जिला सचिव निसार अहमद, वरिष्ठ नेता लड्डन मियां, कमल शर्मा, जिला अध्यक्ष प्रबुद्ध सभा मास्टर वकील साहब, और जिला सचिव अशोक राणा ने भी विचार व्यक्त किए। बैठक में रत्नेश भारती, मुकेश यादव, राम सिंह जाटव, लायक सिंह, नेताजी ठाकुर, विजेंद्र सिंह, सजीव यादव, प्रतीक नानू, रवि शखधार, अफजाल असारी, एडवोकेट एजाद भाई, अब्दुल लहाई, अश वरनवाल, ललतेश यादव, कादिर राणा, नजाकत तासलीम, भगवान दास महेदी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शखधार ने किया।

जनपद के समस्त शाखा प्रबन्धकों का एक दिवसीय बैंकर्स उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन

हापुड़ (सब का सपना):- उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन योजनान्तर्गत जनपद के समस्त शाखा प्रबन्धकों का एक दिवसीय बैंकर्स उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन आज विकास भवन सभागार, हापुड़ में किया गया, जिसका शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम, की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें देवेन्द्र प्रताप, उपायुक्त (स्वंतःरोजगार), राजीव कुमार, जिला अग्रणी प्रबन्धक, शीषपाल, क्षेत्रीय प्रबन्धक केनरा बैंक, रमेश कुमार, अरोरा एवं ईश्वर सिंह, प्रशिक्षक एन०आई०आर०डी० हैदराबाद, समस्त बैंको के जिला समन्वयक तथा शाखा प्रबन्धक, जिला मिशन प्रबन्धक, समस्त सहायक विकास अधिकारी (आई०एस०वी०), एवं ब्लॉक मिशन प्रबंधक तथा बैंक सखी द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम का संचालन देवेन्द्र प्रताप, उपायुक्त स्वंतः रोजगार द्वारा किया गया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा योजना की जानकारी प्रदान की गई। एन०आर०एल०एम० योजना के माध्यम से बैंकर्स स्वयं सहायता समूहों को आवश्यकतानुसार आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करें तथा समस्त पात्र समूहों के खाते एवं बैंक क्रेडिट लिंकेज हेतु शाखा प्रबंधक को निर्देश दिये गये कि दिनांकः- 26.10.2025 तक शत-प्रतिशत खाते खोले जाये। उपायुक्त स्वतः रोजगार के द्वारा समस्त शाखा प्रबन्धकों को लक्ष्य के अनुरूप खाता खोलने, बैंक क्रेडिट लिंकेज, समूह सदस्यों को व्यक्तिगत लोन करने पर जोर दिया गया। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान हैदराबाद के नेशनल रिसोर्स पर्सन रमेश कुमार, अरोरा एवं ईश्वर सिंह, द्वारा समस्त प्रतिभागियों को रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया के द्वारा जारी निदेर्शों की विस्तार से जानकारी दी गई तथा स्वयं सहायता समूहों की आर्थिक आवश्यकताओं को देखते हुये उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करने, समूहों के खाता खोलने, सी०सी०एल० करने आवश्यक दस्तावेजों पर जानकारी प्रदान की गई, सी०बी०आर०एम० कमेटी गठित करने, इन्टरप्राइज फाईनेन्श, डिजिटल फाईनेन्श तथा वित्त सखी के लाभ एंव उनके कार्यो की जानकारी प्रदान की गई। जिला मिशन प्रबंधक तकसीर अहमद, के द्वारा बैंक सखी के कार्य के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया तथा उनकी सैलरी एवं इनसेन्टीव की जानकारी उपलब्ध करायी गयी। शाखा प्रबन्धकों से संवाद करते हुये उनकी समस्याओं का निराकरण भी किया गया। अन्त में उपायुक्त (स्वतःरोजगार) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन करते हुये कार्यशाला का समापन किया गया।

डॉक्टर स्मिता बंसल पर नवजात शिशु की मृत्यु का दोष, लगाया 5 लाख का जुमार्ना

चदौसी/संभल (सब का सपना):- जनपद के बहजोई निवासी आयुष वार्ष्णेय की पत्नी प्रथम बार मां बनने वाली थी जिसके लिए उन्होंने चंदौसी स्थित डॉक्टर स्मिता बंसल को दिखाकर मंथली चेकअप कराए आठवे माह में उनके प्रवस पीड़ा हुई। प्रवस पीड़ा होने पर उनका अल्ट्रासाउंड किया गया तो बच्चे की स्थिति नॉर्मल थी वहीं डॉक्टर द्वारा उनका ऑपरेशन किया गया। जिन्होंने एक पुत्री को जन्म दिया और कुछ समय बाद उसकी मृत्यु हो गई। इस संबंध में आयुष कुमार वार्ष्णेय ने अपनी शिकायत डॉक्टर स्मिता बंसल से दर्ज की और कहां की मंथली चेकअप किए जाने के बावजूद तथा आपके द्वारा कराए गए अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट में भी बच्चे की धड़कन नॉर्मल थी तो बच्चे की मृत्यु कैसे हो गई। जिस पर डाक्टर द्वारा उनकी कोई बात नहीं सुनी तो उन्होंने इसकी शिकायत मुख्य चिकित्सकारी जनपद संभल से की जहां उन्होंने जांच की और जांच में डॉक्टर के द्वारा किए गए ऑपरेशन पर अपना संदेह व्यक्त किया तथा यह भी कहा कि बच्चे की मृत्यु का प्रमाण पत्र जारी न करना भी अस्पताल ब डॉक्टर की कमी है। पूरे घटनाक्रम को लेकर आयुष्मान मदर चाइल्ड केयर हॉस्पिटल चंदौसी के डॉक्टर स्मिता बंसल से बात की तो उन्होंने उसकी किसी भी बात सुनने से इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर उन्होंने उपभोक्ता मामलों के विशेषज्ञ अधिवक्ता लव मोहन वार्ष्णेय से संपर्क किया और आप बीती बताइ। उनकी ओर से लव मोहन वार्ष्णेय एडवोकेट द्वारा जिला उपभोक्ता आयोग संभल में परिवाद प्रस्तुत किया गया जहां आयोग ने दोनों पक्षों को तलब कर अपना-अपना पक्ष रखने की बात कही तो वहां डॉक्टर की ओर से बताया गया कि उन्होंने प्रैक्टिशनर पॉलिसी ले रखी है जिस कारण इंश्योरेंस कंपनी को भी पार्टी बनाया जाए। आयोग के आदेश पर इंश्योरेंस कंपनी को भी तलब किया गया। आयोग ने सभी पक्षों को सुना और सुनकर अपना निर्णय आयुष कुमार वार्ष्णेय के पक्ष में देते हुए कहा की मदर चाइल्ड और हेल्थ केयर सेंटर व उसके डॉक्टर स्मिता बंसल को आदेशित किया जाता है कि आयुष कुमार की पत्नी दीप्ति वार्ष्णेय के आपरेशन व नवजात शिशु पुत्री के इलाज में किए गए व्यावसायिक कदाचार हेतु मुबलिग 5 लाख रुपए व उस पर परिवाद संस्थान की तिथि से 7% वार्षिक ब्याज सहित 2 माह के अंदर अदा करें। इसके अलावा विपक्षीगण परिवादी को पचास हजार रुपए ड्ढ50000 मानसिक कष्ट और आर्थिक हानि की मद में तथा ड्ढ5000 पांच हजार रुपए वाद व्यय के मद में भी अदा करेंगे। नियत अवधि में धनराशि अदा न किए जाने पर ब्याज की दर 9 प्रतिशत वार्षिक देय होगी।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 10 लाभार्थियों को प्रतीकात्मक रूप से किया गया सब्सिडी चेक वितरित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- दीपावली के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश के 1.86 करोड़ परिवारों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी की सौगात मिली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के लोकभवन से ड्ढ1500 करोड़ की धनराशि के वितरण का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलक्ट्रेट सभागार में देखा और सुना गया, जहां मुख्य अतिथि माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी, जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. अनामिका यादव, पूर्व मंत्री व विधायक गुन्नौर अजीत कुमार उर्फ राजू यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह रिंकू, नगर पालिका बहजोई के अध्यक्ष राजेश शंकर राजू, जिला पंचायत सदस्य अवधेश प्रताप सिंह, खाद्य विभाग के अधिकारी और उज्ज्वला योजना के लाभार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों का पुष्प, पुस्तक और तुलसी का पौधा भेंटकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि गुलाब देवी ने अपने संबोधन में कहा, मुख्यमंत्री द्वारा 1.86 करोड़ परिवारों को गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी प्रदान करना एक प्रसन्नता का विषय है। इससे महिलाओं को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना, शौचालय, पेंशन, किसान सम्मान निधि, आयुष्मान कार्ड जैसी योजनाओं के माध्यम से सभी वर्गों के लिए समान रूप से कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों ने प्रतीकात्मक रूप से 10 लाभार्थियों को सब्सिडी का चेक वितरित किया। इस अवसर पर 150 लाभार्थी मौजूद रहे। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी कमलेश चंद्र, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी सतेंद्र पाल सिंह सहित खाद्य विभाग के अन्य अधिकारी और लाभार्थी भी उपस्थित थे।

संदीप लाठर के परिवार से मिलने पहुंचे सीएम सैनी, पोस्टमॉर्टम करवाने से किया इनकार

रोहतक: रोहतक में साइबर सेल में कार्यरत एएसआई संदीप लाठर ने बीते दिन सुसाइड किया है। इस मामले में अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। दूसरी ओर परिवार के लोगों ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाने से इनकार कर दिया है। देर रात तक एएसपी प्रतीक अग्रवाल परिजनों को मनाने में लगे हुए थे, लेकिन परिजन नहीं माने। एएसआई संदीप लाठर का शव उसके मामा के गांव लाढ़ोत में रखा हुआ है। बुधवार को मुख्यमंत्री नायब सैनी परिवार को सांत्वना देने गांव में पहुंचे हैं और परिजनों को उचित कार्रवाई का दिया भरोसा इससे पहले इनेलो नेत्री नैना चौटाला भी संदीप के परिजनों से मिली और घटना पर दुख जताया। इनेलो नेता सुनैना चौटाला ने कहा कि पार्टी परिवार के साथ खड़ी है, जांच निष्पक्ष होनी चाहिए। परिवार को पूर्ण न्याय मिलना चाहिए। एएसआई संदीप ने पूर्व एडीजीपी वाई पूरण कुमार पर वायरल वीडियो व 4 पन्नों का सुसाइड नोट में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। बता दें अरकसंदीप लाठर ने मंगलवार दोपहर करीब एक बजे गांव लाढोत से धामड़ रोड़ पर अपने मामा के खेतों में बने कोठड़े

की छत पर जाकर सर्विस रिवाल्वर से गोली मारकर सुसाइड कर लिया था।

सुसाइड से पहले संदीप लाठर ने एक वीडियो बनाया और 4 पेज का सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसमें आईपीएस वाई पूरन कुमार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए है। सुसाइड करने की सूचना पर पुलिस व परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।

पुलिस शव को पोस्टमॉर्टम के लिए डेड हाउस लेकर जाना चाहती थी, लेकिन परिवार के लोगों ने शव को सरकारी गाड़ी में डालने की बजाय ट्रैक्टर ट्राली में रखवाया और मामा के घर ले गए। परिजनों ने कहा कि जब तक केस दर्ज नहीं होगा, पोस्टमॉर्टम नहीं करने देंगे।

हरियाणा में 49 स्वास्थ्य कर्मियों को नोटिस, 31 आशा वर्कर्रों पर लगाई पेनल्टी

हिसार : हिसार जिला स्वास्थ्य विभाग ने लिंगानुपात में सुधार को लेकर सख्त रुख अपनाया है। जिन क्षेत्रों में असामान्य लिंगानुपात पाया गया है, वहां संबंधित वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों और कर्मचारियों को 17 नोटिस जारी किए गए हैं। विभाग ने गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण में लापरवाही बरतने पर 15 एएनएम और 34 आशा वर्करों को कारण बताओ नोटिस थमाए हैं, जबकि 31 आशा वर्करों पर पेनल्टी भी लगाई गई है। विभाग द्वारा PCPNDT और एमटीपी एक्ट के तहत किए गए निरीक्षणों में गड़बड़ी मिलने पर सात जांच केंद्रों को नोटिस जारी किए गए और एक केंद्र का लाइसेंस निलंबित किया गया है। यह जानकारी उपायुक्त अनीश यादव की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्तरीय बैठक में दी गई। यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लिंगानुपात सुधार के लिए ठोस कदम उठाए जाएं और दोषियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में नशा प्रभावित व्यक्तियों की निगरानी, ड्रग पैडलरों के खिलाफ कार्रवाई और अवैध कॉलोनियों पर सख्ती के मुद्दों पर भी चर्चा हुई। डीसी ने कहा कि सभी विभाग समन्वय बनाकर काम करें ताकि जिले में सामाजिक संतुलन और कानून व्यवस्था मजबूत हो सके।

इस शहर के 100 से ज्यादा होटल और अस्पताल संचालकों को नोटिस

हिसार : हिसार नगर निगम ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का पालन न करने पर शहर के 100 से अधिक होटल और अस्पताल संचालकों को नोटिस जारी किए हैं। एडिशनल कमिश्नर शालिनी चेतल की ओर से भेजे गए नोटिस में कहा गया है कि सभी थोक अपशिष्ट उत्पादकों (बल्क वेस्ट जनरेटर) को अपने कचरे के निस्तारण के लिए अधिकृत एजेंसियों के साथ समझौता (MoU) करना अनिवार्य है। निगम के अनुसार, नियमों के तहत ऐसे संस्थानों को कचरे के संग्रहण, परिवहन और प्रसंस्करण की जिम्मेदारी स्वयं निभानी होती है, लेकिन कई संस्थान इस दिशा में लापरवाही बरत रहे हैं। नगर निगम ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समयसीमा तक एमओयू नहीं करने वाले संस्थानों पर जुमार्ना या अन्य कानूनी कार्रवाई की जाएगी। निगम ने संस्थानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दो अधिकृत एजेंसियों को सूचीबद्ध किया है और 16 अक्टूबर तक इनमें से किसी एक के साथ समझौता करने के निर्देश दिए हैं। निगम ने अधिकतम दर 1840 रुपये प्रति टन तय की है, हालांकि संपत्ति मालिक और एजेंसी आपसी सहमति से इससे कम दर पर भी अनुबंध कर सकते हैं। निगम का उद्देश्य शहर में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना है।

चरखी दादरी में मिठाइयों की दुकान पर सीएम फ्लाइंग छापा, दुकानदारों में हड़कंप

चरखी दादरी : दीपावली जैसे बड़े त्योहार पर मिलावटी मिठाइयों की बिक्री पर लगाम लगाने के लिए मुख्यमंत्री उड़नदस्ता रोहतक और जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की टीम ने दादरी में मिठाइयों की दुकानों पर छापामार कार्रवाई की। इस दौरान टीम द्वारा मिठाइयों के सैंपल कब्जे में लिए और जांच के आधार पर कार्रवाई की बात कही। सीएम फ्लाइंग टीम रोहतक के अलावा खाद्य आपूर्ति निरीक्षक डॉ. पुनीत कुमार व गुप्तचर शाखा की टीम ने दादरी शहर और एक गांव में स्थित दुकानों पर छापेमारी कार्रवाई की। खाद्य आपूर्ति निरीक्षक डॉ. पुनीत कुमार ने बताया कि टीम द्वारा खोया, पनीर, मिल्क केक, गुलाब जामुन, घी और क्रीम सहित मिठाइयों के कई सैंपल लिए, जिन्हें मौके पर ही सील कर जांच के लिए लैब भेजा गया। सैंपलों की जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषी पाए जाने पर संबंधित पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि त्योहारों पर अधिक मुनाफा कमाने के लिए कुछ दुकानदार मिलावटी या बासी मिठाइयों का उपयोग करते हैं। इनसे लोगों की सेहत को खतरा हो सकता है। कई बार एक महीने पहले से मिठाइयों का भंडारण कर लिया जाता है, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। उन्होंने कहा कि विभाग का यह अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे दुकानदारों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भाकियू के पूर्व जिला उपप्रधान को घर से बाहर बुला मारी गोली, हालत गंभीर

पानीपतः सिवाह गांव में भारतीय किसान यूनियन के पूर्व जिला उपप्रधान सुमित कादियान को घर के बाहर गोली मार दी। गोली गर्दन की हड्डी में फंस गई। हमलावर इसके बाद हवाई फायर करते हुए भाग गए। कादियान का निजी अस्पताल में ऑपरेशन हुआ है। परिजनों ने जमीन विवाद में गोली चलाने का शक जताया था लेकिन जांच में जमीन का मामला सामने नहीं आया। सेक्टर-29 थाना की पुलिस ने जितेंद्र को नामजद कर चार-पांच अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। गुरदेव कादियान ने बताया कि उनके बेटे सुमित भाकियू के उपप्रधान रहे हैं। सोमवार रात करीब 10 बजे उनके पास विदेशी नंबर से कॉल आई और कॉल करने वाले ने मिलने के लिए घर से बाहर बुलाया। कुछ देर बाद ही विराट नगर में रहने वाला जितेंद्र स्विफ्ट कार में अपने अन्य साथियों के साथ आया और सुमित को आवाज लगाई। जब सुमित घर से बाहर निकले तो कार सवार हमलावरों ने कार में बैठे-बैठे गोली चला दी। एक गोली सुमित की गर्दन में फंस गई। गोली की आवाज सुनकर अन्य लोग भी बार आ गए। इसके बाद हमलावर भाग गए। वारदात की सूचना के बाद सेक्टर-29 थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने आस-पास के सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली। सीसीटीवी में हमलावरों की कार कैद हो गई। पुलिस ने घायल के पिता की शिकायत पर जितेंद्र और उसके पांच अज्ञात साथियों के खिलाफ हमले की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों ने इलाज से किया मना...महिला ने बच्चे को सड़क पर दिया जन्म, तभी हो गई मौत

पलवलः हरियाणा के पलवल जिले में महिला को सड़क पर बच्चा पैदा करना पड़ा। सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों ने नया अल्ट्रासाउंड न होने पर इलाज से मना कर दिया। इस पूरे मामले को लेकर पीड़ित महिला के परिवार के लोगों ने बताया कि उनके पास एक हफ्ते पुरानी जांच रिपोर्ट थी, लेकिन सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों ने नई रिपोर्ट मांगी। इसके बाद पीड़िता को लेकर उसके घर के लोग डायग्नोस्टिक सेंटर ले जाने लगे, लेकिन इस दौरान अस्पताल से कोई एंबुलेंस नहीं मिली। फिर मजबूरीवश उन्हें गर्भवती महिला को बाइक से लेकर जाने की परिस्थिति आन पड़ी। जैसे-तैसे गर्भवती महिला डायग्नोस्टिक सेंटर पहुंची, तभी उसके पेट में तेज दर्द होने लगा और मजबूरीवश सेंटर के बाहर ही महिला को बच्चे को जन्म देना पड़ा। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने महिला की काफी मदद की. फिर आनन-फानन में महिला और बच्चे को निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां अस्पताल वालों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। महिला को रविवार सुबह सल्लागढ़ कॉलोनी से अस्पताल लाया गया था। पुलिस ने बताया कि अस्पताल का अल्ट्रासाउंड यूनिट रविवार को बंद रहता है. इसके वजह से वहां अल्ट्रासाउंड नहीं हो पाया था।. इस पूरे मामले को लेकर पलवल सिटी पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर प्रकाश चंद ने कहा कि शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया है। रिपोर्ट से पता चलेगा कि बच्चा मृत पैदा हुआ था या जन्म लेने के बाद मरा है इसके बाद पूरा मामला स्वास्थ्य विभाग को कार्रवाई के लिए सौंप दिया जाएगा।

आईपीएस वाई पूरन कुमार का 9वें दिन अंतिम संस्कार, दोनों बेटियां ने दी मुखाग्नि

हरियाणा: हरियाणा के आईपीएस अधिकारी एडीजीपी वाई पूरण कुमार का अंतिम संस्कार किया गया। चंडीगढ़ के सेक्टर-25 के श्मशान घाट में अंतिम संस्कार की रस्में पूरी की गईं। पूरन कुमार की अंतिम यात्रा करीब 4 बजे सेक्टर-25 स्थित श्मशान घाट पहुंची थी। इस दौरान श्मशान घाट के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस जवान तैनात रहे। आईपीएस पूरन कुमार को पुलिस सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई और बड़ी संख्या में पहुंचे पुलिस-प्रशासन और सरकार के प्रतिनिधियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद आईपीएस की दोनों बेटियों

ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस मौके पर आईएएस पत्नी अवनीत भी मौजूद रही। बता दें आज सुबह यानी पूरन कुमार के सुसाइड के नौवें दिन चंडीगढ़ पीजीआई में उनका पोस्टमॉर्टम हुआ। मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई। इस पूरे प्रोसेस में करीब 4 घंटे लगे। इसके बाद दोपहर 2.20 बजे एम्बुलेंस पूरन कुमार की डेडबॉडी लेकर सेक्टर-24 स्थित कोठी पर पहुंची। बता दें कि 7 अक्टूबर को आईपीएस अफसर वाई पूरन कुमार ने मंगलवार को चंडीगढ़ के सेक्टर 11 स्थित अपनी कोठी में सर्विस गन से सिर पर गोली मारकर सुसाइड कर लिया था। उनकी उनकी आईएएस अफसर पत्नी अमनीत पी. कुमार सीएम नायब सैनी के साथ जापान के ऑफिशियल दौरे पर थीं।

वह आज दोपहर साढ़े 12 बजे उनकी फ्लाइट दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड करेगी। इसके बाद वह दोपहर 2 बजे दिल्ली से फ्लाइट लेकर चंडीगढ़ पहुंचेंगी। इसके बाद अंतिम संस्कार होगा।

आईपीएस-एएसआई सुसाइड मामले में इकट्ठे हुए कई सामाजिक संगठन

गोहाना : एडीजीपी वाई पूर्ण और एएसआई संदीप कुमार की संदिग्ध मौत के मामले में निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर गोहाना में विभिन्न सामाजिक संगठनों ने विश्रामगृह में बैठक की। संगठनों ने एकजुट होकर एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। सभी वर्गों के लोगों ने निष्पक्ष जांच की मांग की है और जाति रंग देने वालों को नसीहत दी है। वक्ताओं ने कहा कि इन घटनाओं को जातिगत रूप से न जोड़ा जाए, क्योंकि अधिकारी किसी एक जाति के नहीं बल्कि सभी वर्गों और धर्मों के हित में कार्य करते हैं। लोगों ने कहा कि यह घटनाएं बेहद दुखद हैं, और इन्हें जातीय रंग देकर समाज का भाईचारा बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है। सामाजिक संगठनों ने सरकार से दोनों मामलों की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच कराने की अपील की ताकि सच सामने आ सके और समाज में सौहार्द बना रहे। लोगों ने कहा कि किसी भी प्रकार की राजनीति इस मुद्दे पर नहीं करनी चाहिए।

लोगों को अब तय समय में मिलेंगी 10 सरकारी सेवाएं, अधिकारी होंगे जवाबदेह

चंडीगढ़ः हरियाणा सरकार ने दो विभागों की 10 सेवाओं को हरियाणा सेवा का अधिकार अधिनियम 2014 के तहत अधिसूचित किया है। लोगों को अब इन सेवाओं का लाभनिर्धारित समय-सीमा में मिलेगा और देरी होने पर संबंधित अधिकारी जवाबदेह होंगे। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम की शिक्षा ऋण योजना और सूक्ष्म वित्त योजना के लिए 135 दिन, सावधि ऋण योजना के लिए 180 दिन, राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त एवं विकास निगम की शिक्षा ऋण योजना, महिला अधिकारिता योजना, महिला समृद्धि योजना, सूक्ष्म ऋण योजना और हरित व्यवसाय योजना के लाभ के लिए 135 दिन तय किए गए हैं। सामान्य सावधि ऋण योजना के लिए 180 दिन की समय-सीमा निर्धारित की गई है। इसके अलावा मत्स्य पालन विभाग के सघन मत्स्य पालन विकास कार्यक्रम के तहत तालाबों के सुधार के लिए सब्सिडी योजना के लाभ के लिए 40 दिन की अवधि तय की है। सरकार के आदेशों के मुताबिक हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम और राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त एवं विकास निगम की नौ नई सेवाएं अब इस कानून के दायरे में आ गई हैं। मत्स्य पालन विभाग की एक योजना को भी इसमें शामिल किया गया है। सरकार ने पदनामित अधिकारी, अपील अधिकारी और शिकायत निवारण प्राधिकारी भी तय कर दिए हैं।

महिला बाऊंसर से शादी का झांसा दे बनाए संबंध, पीड़िता ने पुलिस से कहा- मेरी वीडियो डिलीट करवाओ

पंचकूलाः सैक्टर-5 महिला पुलिस थाने में यौन शोषण से लेकर प्राइवेट वीडियो को वायरल करने का बड़ा मामला सामने आया है। महिला बाऊंसर ने बताया कि वह चंडीगढ़ सैक्टर-26 के क्लबों में सिक्योरिटी का काम करती है। इसी दौरान उसकी जान-पहचान आरोपी के साथ हुई थी। जहां आरोपी बाऊंसर ने उससे पहले दोस्ती की, फिर प्यार का नाटक किया। इसके बाद आरोपी ने चंडीगढ़ के ही होटल में उसके साथ संबंध बनाए। इस दौरान वायदा किया गया था कि आरोपी उसके साथ शादी करेगा लेकिन जब उसने कई महीनों के बाद शादी के लिए पूछा तो उसने मना कर दिया। वहीं इसके साथ ही आरोपी ने खुद और अपनी एक महिला बाऊंसर दोस्त के जरिए उसकी एक प्राइवेट वीडियो दिखाई। इसके बाद आरोपी और महिला बाऊंसर ने उसे धमकाते हुए कहा कि अगर उसने शादी के बारे में दोबारा से बात की तो वह उसकी प्राइवेट वीडियो लीक कर देगा। इसके बाद बार-बार के टॉर्चर से तंग आकर पीड़ित महिला बाऊंसर ने मामले की शिकायत महिला पुलिस थाने में दी। जहां प्राइमरी जांच में सामने आया कि मामला चंडीगढ़ से जुड़ा है, लेकिन पंचकूला पुलिस ने शिकायत के आधार पर जीरो एफ. आई.आर. दर्ज की है जिसे चंडीगढ़ पुलिस के पास भेजा गया है। पीड़ित महिला बाऊंसर ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने आखिर कब उसका यह वीडियो बनाया, उसे इसकी कोई जानकारी नहीं थी। वहीं अब बार-बार उस वीडियो को लोगों के बीच वायरल करने का डर दिखाया जा रहा है। लिहाजा आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर वीडियो भी डिलीट करवानी चाहिए। पंचकूला महिला थाना पुलिस ने इस बारे में चंडीगढ़ पुलिस के अधिकारियों को कॉल कर भी जानकारी दी है।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला, योजनान्तर्गत जनपद के 71530 पात्र परिवारों को प्रदान की गई सब्सिडी

जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर, के द्वारा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, के 05 पात्र लाभार्थियों को सभागार में दिया गया सब्सिडी का चेक

हापुड़ (सब का सपना):- दिपावली के त्यौहार के अवसर पर प्रदेशवासियों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजनान्तर्गत उ०प्र० के 1.86 करोड पात्र परिवारों को गैस सिलेण्डर रिफिल सब्सिडी का वितरण मुख्यमंत्री, उ०प्र० योगी आदित्यनाथ, द्वारा लोकभवन सभागार लखनऊ से किया गया। जिसके अन्तर्गत जनपद हापुड़ में रेखा नागर, जिला पंचायत अध्यक्ष हापुड़, व जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय, की गरिमामयी उपस्थिति में 71530 पात्र परिवारों को सब्सिडी प्रदान की गई। उपरोक्त सब्सिडी से महिलाओं को धुएं से आजादी, स्वास्थ्य पर सकरात्मक

प्रभाव तथा पर्यावरण सुधार जैसे' सार्थक लाभ प्राप्त हुये। योजनान्तर्गत दिपावली व होली पर निःशुल्क गैस सिलेण्डर रिफिल की सुविधा पात्र लाभार्थियों को प्रदान की गयी, जिसमें प्रथम चरण (अक्टूबर से दिसम्बर 2025) दिपावली पर आधार प्रमाणित पात्र परिवारों को गैस सिलेंण्डर रिफिल सब्सिडी अंतरित की गयी तथा द्वितीय चरण (जनवरी से मार्च 2026) होली पर आधार प्रमाणित पात्र परिवारों को गैस सिलेण्डर रिफिल सब्सिडी अंतरित किया जा रहा है। पात्र परिवारों को प्रति रिफिल केन्द्र सरकार द्वारा 335.40 रू० तथा राज्य सरकार द्वारा 559.58 रू० की सब्सिडी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजनान्तर्गत अनुमन्य है। योजना की पारदर्शिता बनाये रखने हेतु सिलेण्डर रिफिल पर मिलने वाली सब्सिडी का आधार प्रमाणित बैंक खाते मे अंतरण किया गया है।

ठंड के चलते हरियाणा के स्कूलों के समय में बदलाव

हरियाणा : हरियाणा में मौसम में बदलाव को देखते हुए दोहरी पाली (डबल शिफ्ट) में संचालित सरकारी स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। अब दूसरी पाली के स्कूल 5 मिनट पहले शुरू होंगे और 1 घंटा पहले छुट्टी दी जाएगी। यह नया शेड्यूल बुधवार (आज) से लागू हो गया है। वहीं, पहली पाली और एकल शिफ्ट (सिंगल शिफ्ट) वाले स्कूलों के समय में बदलाव नवंबर के मध्य यानी 15 नवंबर से किया जाएगा। दोहरी शिफ्ट वाले स्कूलों में दोपहर के बाद लगने वाली शिफ्ट दोपहर 12:40 बजे शुरू होंगी, जबकि शाम 05:15 बजे छुट्टी कर दी जाएगी। जबकि अभी तक स्कूलों में दूसरी पाली की कक्षाएं दोपहर 12:45 बजे से शाम 6:15 बजे तक लगाई जा रहीं थी। अन्य सभी स्कूलों के समय में 15 नवंबर से बदलाव होगा। साथ में अगले महीने से एकल शिफ्ट में चलने वाले स्कूलों का समय सुबह 09:30 बजे से दोपहर बाद 03:30 तक रहेगा। जबकि डबल शिफ्ट वाले स्कूलों में पहली शिफ्ट सबुह 07:55 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक रहेगी। वर्तमान में एकल पाली में चलने वाले स्कूलों का समय सुबह 8 बजे से दोपहर बाद 2:30 बजे तक है। डबल शिफ्ट वाले स्कूलों में पहली शिफ्ट सबुह सात बजे से दोपहर 12:30 तक होती है।

हरियाणा की नायब सरकार में कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल, खाद्य एवं आपूर्ति राज्यमंत्री राजेश नागर और खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम की तिकड़ी सियासी हलकों में चचाओं में

फरीदाबाद : हरियाणा की नायब सरकार में कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल, खाद्य एवं आपूर्ति राज्यमंत्री राजेश नागर और खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम की तिकड़ी सियासी हलकों में चचाओं में रहती है। अब एक वीडियो सामने आया है, जिसमें मंत्री नागर कह रहे हैं कि कुछ लोगों ने उनकी दोस्ती तुड़वाने की कोशिश भी की। उन्होंने मंच से दो-तीन बार इसका जिक्र किया, हालांकि किसी का नाम नहीं लिया। इतना जरूर कहा कि आप लोग समझ ही गए होंगे। असल में विपुल गोयल व राजेश नागर की गिनती केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर के विरोधी खेमे में होती है। गोयल और गुर्जर का सार्वजनिक मंच पर बहस का वीडियो भी वायरल हुआ था। वहीं, नागर जिस तिगांव हलके से विधायक हैं, वहां से गुर्जर अपने बेटे को चुनाव लड़वाना चाहते थे। गुर्जर खुद भी तिगांव से विधायक रह चुके हैं। ऐसे में चर्चा है कि दोस्ती तुड़वाने की कोशिश करने वाले बयान के पीछे कृष्णपाल गुर्जर खेमे की तरफ इशारा है। ये वीडियो 12 अक्टूबर की शाम का बताया जा रहा है। उस दिन फरीदाबाद के सेक्टर-37 में बीजेपी के एक नेता ने सम्मान समारोह रखा था। जिसमें मंत्री विपुल गोयल, राजेश नागर और गौरव गौतम साथ पहुंचे। पहले भी फरीदाबाद और पलवल जिलों में होने वाले कार्यक्रमों में तीनों अकसर साथ दिखते हैं। कृष्णपाल गुर्जर फरीदाबाद से सांसद हैं, जिसमें पलवल जिला भी आता है। कुछ लोगों ने बहुत कोशिशें की दोस्ती न चलेः मंच पर माइक थामे मंत्री राजेश नागर कह रहे हैं-कुछ लोगों ने बहुत कोशिश की है कि

उनकी दोस्ती ना चले सके। विपुल गोयल मेरे बाल सखा हैं। 45 साल की बचपन की दोस्ती बिना किसी स्वार्थ के है। इसलिए दोस्ती चली आ रही है। न विपुल गोयल को पता था कि मंत्री बनूंगा और न ही मुझे पता था कि मंत्री बनूंगा। बचपन की दोस्ती में कोई लाभ लालच नहीं होता। आप समझ गए होंगे मैं क्या कहना चाहता हूं उन्होंने कहा कि युवा दिलों की धड़कन विधानसभा में मेरे साथी खेल मंत्री गौरव गौतम। हमें साथ देखकर बहुत सारे लोगों को(चुप हो गए और सामने लोग हंसने लगे)। फिर नागर बोले–बाकी समझ गए आप जो मैं कहना चाह रहा था। जिसके बाद लोगों ने बंसी वाले की जयङ्घ का जयकारा सभा में लगा दिया।

खजाने की चाबी विपुल गोयल के पास नागर ने आगे कहा-कोई भी पार्षद ये ना भूले कि आज जो भी विकास फरीदाबाद नगर निगम क्षेत्र में होगा, उसकी सारे खजाने की चाबी मंत्री विपुल गोयल के पास है। पैसा कहां से आएगा, इसकी चिंता नहीं। पैसा यहीं से आएगा, बैंक यही हैं (विपुल गोयल की तरफ इशारा करके)। मंत्री ने कह रखा है कि करोड़ों रुपए चाहिए, 100 करोड़ चाहिए, 200 करोड़ चाहिए, 500 करोड़ चाहिए, 1000 करोड़ चाहिए कितने ही पैसे ले लो फरीदाबाद का विकास होना चाहिए। फरीदाबाद में केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर गुट और तीनों मंत्रियों के बीच लंबे समय से राजनीतिक मतभेद चला आ रहा है। मंत्री विपुल गोयल और कृष्णपाल गुर्जर के बीच विवाद उस समय हुआ था जब प्रदेश में मनोहर सरकार थी। 20 अक्तूबर 2018 को एनआईटी मैदान में दशहरा उत्सव के दौरान केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर और मंत्री विपुल गोयल के बीच सार्वजनिक तौर पर विवाद हुआ था। इस विवाद के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए थे। जिसके बाद से ही दोनों के बीच दूरियां बढ़ती चली गईं। साल 2019 में विपुल गोयल का टिकट कट गया। तब दोनों के बीच दूरियां और भी ज्यादा बढ़ गईं। केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर और मंत्री राजेश नागर के बीच तिंगाव सीट को लेकर पनपा मतभेद आज भी बरकरार है। कृष्णपाल गुर्जर शुरू से ही इस सीट से अपने बेटे देवेंद्र को चुनाव लड़ाना चाहते थे, लेकिन राजेश नागर के चलते साल 2014 , 2019, 2024 में ऐसा नहीं हो पाया। पार्टी ने हर बार राजेश नागर को टिकट देकर मैदान में उतार दिया। साल 2024 में चुनाव जीतने के बाद राजेश नागर गुर्जर से मिलने तक नहीं पहुंचे थे।

संक्षिप्त समाचार

इस सप्ताह वॉशिंगटन जाएंगे जेलेंस्की

कीव, एजेंसी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की इस सप्ताह संयुक्त राज्य अमेरिका का दौरा करेंगे। इस दौरान वे यूएस से लंबी दूरी के हथियारों की संभावित आपूर्ति और अन्य सुरक्षा सहयोग पर चर्चा करेंगे। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस को चेतावनी दी है कि वे कीव को टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें भेज सकते हैं। जेलेंस्की ने कहा कि ट्रंप से उनकी मुलाकात शुक्रवार तक हो सकती है। इसके अलावा वे रक्षा और ऊर्जा कंपनियों, साथ ही कांग्रेस के सदस्यों से भी मिलेंगे।

मैक्सिको में भयंकर बारिश और लैंडस्लाइड से मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 64

मैक्सिको, एजेंसी। पिछले सप्ताह मैक्सिको में हुई भयंकर बारिशों के कारण मृतकों की संख्या सोमवार तक 64 हो गई, जबकि 65 लोग अभी भी लापता हैं। भारी वर्षा के कारण कई नदियां उफान पर आ गईं और लैंडस्लाइड से कई गांवों का संपर्क कट गया। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शेनबॉम की दैनिक प्रेस ब्रीफिंग में सिविल डिफेंस कोऑर्डिनेटर लौरा वेलाज़क्वेज़ अल्जुआ ने बताया कि बचाव अभियान अब उन समुदायों तक भी फैलाया जा रहा है, जो पहले पहुंच से बाहर थे।

काठमांडू एयरपोर्ट पर 11 किग्रा से ज्यादा गांजा लेकर तीन भारतीय गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से तीन भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया, जिनके पास 11 किलो 275 ग्राम गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तार भारतीय यात्रियों की पहचान सलीम इब्राहिम अंसारी (50), रेहान मोहम्मद अजाज शेख (24) और जैनब बशीर (32) के रूप में हुई है। नेपाल पुलिस के एक बयान के अनुसार, ये तीनों बैंकॉक से एयर एशिया की फ्लाइट से रविवार दोपहर काठमांडू पहुंचे थे। फिलहाल बरामद गांजा और आरोपियों को आगे की जांच के लिए नेपाल पुलिस के नार्कोटिक ड्रग्स ब्यूरो के हवाले कर दिया गया है।

चीन के दर्जनों भूमिगत चर्च पादरी हिरासत में लिए गए

बीजिंग, एजेंसी। चीन में पुलिस ने देश के सबसे बड़े चर्चों में से 30 भूमिगत पादरियों को हिरासत में लिया गया है। एक चर्च प्रवक्ता और रिश्तेदारों ने बताया कि यह 2018 के बाद से ईसाइयों पर सबसे बड़ी कार्रवाई है। पिछले हफ्ते बीजिंग द्वारा दुर्लभ मृदा निर्यात नियंत्रणों में नाटकीय रूप से विस्तार करने के बाद चीन-अमेरिका के बीच नए सिरे से तनाव बढ़ने के बीच ये गिरफ्तारियां हुईं। इन गिरफ्तारियों की अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने निंदा की और तत्काल रिहाई की मांग की। प्रवक्ता सीन लॉन्ग ने बताया, जायन चर्च के संस्थापक पादरी जिन मिंगरी को दक्षिणी शहर बेइहाई स्थित उनके घर पर हिरासत में लिया गया।

वेनेजुएला में खदान हादसा- भीषण बारिश से सोने की खान धसने से 14 मजदूरों की मौत

काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला के दक्षिणपूर्वी क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण एक सोने की खदान धंस गई, जिसमें कम से कम 14 मजदूरों की मौत हो गई। यह हादसा एल कालयो कस्बे में हुआ, जो राजधानी कराकस से करीब 850 किलोमीटर दूर स्थित है। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों के शवों को निकालने के लिए राहत और बचाव कार्य जारी है। फायर ब्रिगेड और स्थानीय बचाव दल के अनुसार, गहराई वाले हिस्सों में पानी निकालने के बाद ही अंदर फंसे लोगों की तलाश जारी रखी जाएगी। फिलहाल मौतों की संख्या अन्य खनिकों के बयान के आधार पर बताई गई है।

खैबर पख्तूनख्वा के नए सीएम बने सुहैल विपक्ष का बहिर्गमन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के उम्मीदवार सुहैल अफरीदी को सोमवार को विधानसभा सत्र के दौरान खैबर पख्तूनख्वा प्रांत का नया मुख्यमंत्री चुना गया। हालांकि इस दौरान विपक्ष ने सदन से बहिर्मगन किया। प्रांत विधानसभा के अध्यक्ष बाबर सलीम स्वाती ने विपक्ष के बहिर्गमन के बावजूद मतदान की प्रक्रिया जारी रखी। अफरीदी को 145 में से 90 वोट मिले, जबकि जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (एफ) बीएमएलएन और पीपीपी के उम्मीदवारों को कोई वोट नहीं मिला। पार्टी के संस्थापक इमरान खान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अफरीदी ने कहा, उन्होंने साधारण से कार्यकर्ता, राजनीति से कोई पारिवारिक संबंध नहीं रखने वाले शख्स को मुख्यमंत्री चुना।

नीदरलैंड्स ने अपने कब्जे में ली चीन की बहुत बड़ी चिप कंपनी, व्यापार युद्ध बढ़ने की आशंका

एम्स्टर्डम, एजेंसी। वैश्विक व्यापार युद्ध के बीच नीदरलैंड्स सरकार ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए चीन की विंगटेक टेक्नोलॉजी के स्वामित्व वाली डच चिपमेकर कंपनी नेक्स्पेरिया का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है। यह कदम डच आर्थिक मामलों के मंत्रालय द्वारा गुड्स अवेलेबिलिटी एक्ट के तहत उठाया गया है, ताकि देश में आवश्यक चिप्स की सप्लाई और तकनीकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि नेक्स्पेरिया में गंभीर प्रशासनिक खामियों के हालिया और तात्कालिक संकेत मिले हैं, जो नीदरलैंड्स और यूरोप की तकनीकी क्षमताओं के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। बयान में कहा गया कि इन क्षमताओं का नुकसान डच और यूरोपीय आर्थिक सुरक्षा के लिए जोखिम साबित हो सकता है, विशेष रूप से ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए, जो चिप्स पर भारी निर्भर करता है।

चिप उद्योग में रणनीतिक हस्तक्षेप : नीजमेगन में मुख्यालय वाली नेक्स्पेरिया दुनिया की प्रमुख चिप निर्माता कंपनियों में से एक है, जो मुख्यतः सरल कंप्यूटर चिप्स (जैसे डायोड और ट्रांजिस्टर) बनाती है। साथ ही यह कंपनी वाइड गैप सेमीकंडक्टर तकनीक पर भी काम करती है, जिसका उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों, चार्जिंग सिस्टम्स और एआई डेटा सेंटर्स में होता है। नीदरलैंड्स सरकार का कहना है कि यह हस्तक्षेप अत्यंत असाधारण स्थिति में किया गया है, ताकि आपातकालीन

परिस्थितियों में चिप आपूर्ति में किसी तरह की बाधा न आए। यह निर्णय सितंबर में लागू किया गया था, लेकिन इसकी औपचारिक घोषणा अब की गई है।

अमेरिका-चीन तनाव की पृष्ठभूमि में निर्णय : यह कदम ऐसे समय आया है जब अमेरिका और चीन के बीच व्यापार तनाव लगातार बढ़ रहा है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के निर्यात पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। हालांकि डच आर्थिक मामलों के मंत्रालय ने अमेरिकी दबाव से इनकार करते हुए इसे सिर्फ एक संयोग बताया, लेकिन यह निर्णय उस व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है जिसमें अमेरिका और नीदरलैंड्स दोनों चिप उद्योग पर निर्यात नियंत्रण को लेकर करीबी सहयोग कर रहे हैं।

उधर, बीजिंग ने हाल ही में रेयर अर्थ एलिमेंट्स और मैग्नेट्स के निर्यात पर नियंत्रण लगाया है, जो यूरोप के ऑटोमोटिव सेक्टर के लिए बेहद अहम हैं। इससे यूरोप-चीन व्यापारिक रिश्तों में और तनाव आ सकता है।

विंगटेक पहले से अमेरिकी निगरानी सूची में : गौरतलब है कि विंगटेक टेक्नोलॉजी को दिसंबर 2024 में अमेरिका ने अपनी एंटिटी लिस्ट में शामिल किया था। आरोप था कि कंपनी संवेदनशील सेमीकंडक्टर निर्माण क्षमताओं वाली संस्थाओं को हासिल करने के चीन सरकार के प्रयासों में सहायता कर रही है।

विंगटेक की तीखी प्रतिक्रिया : इस फैसले पर विंगटेक ने नाराजगी जताई है। कंपनी ने अपने अब हटाए गए वीचैट पोस्ट में डच सरकार के कदम को भू-राजनीतिक पक्षपात से प्रेरित अत्यधिक हस्तक्षेप बताया। विंगटेक ने कहा कि उसने 2019 में नेक्स्पेरिया के अधिग्रहण के बाद से सभी स्थानीय कानूनों का पालन किया है और उसके यूरोप में हजारों कर्मचारी कार्यरत हैं- जिनमें नीदरलैंड्स, जर्मनी और ब्रिटेन शामिल हैं। नेक्स्पेरिया की प्रतिक्रिया और प्रभाव नेक्स्पेरिया के प्रवक्ता ने सीएनबीसी से कहा कि कंपनी सभी नियमों का पालन कर रही है और नियमित रूप से अधिकारियों के संपर्क में है, लेकिन उन्होंने आगे कोई टिप्पणी करने से इनकार किया। इस घोषणा के बाद शंघाई स्टॉक एक्सचेंज में विंगटेक के शेयर 10% की गिरावट के साथ अपने दैनिक सीमा तक लुढ़क गए। कंपनी की एक कॉर्पोरेट फाइलिंग (13 अक्टूबर) के अनुसार, अब नेक्स्पेरिया अस्थायी बाहरी प्रबंधन के अधीन है, जिसमें एक वर्ष तक कंपनी की परिसंपत्तियों, व्यवसाय या कर्मचारियों में बदलाव की अनुमति नहीं होगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, विंगटेक के चेयरमैन झांग शुएझेंग को नेक्स्पेरिया में उनकी सभी भूमिकाओं से निलंबित कर दिया गया है, हालांकि कंपनी के दैनिक कार्य सामान्य रूप से जारी रहेंगे। इससे पहले 2023 में नीदरलैंड्स सरकार ने नेक्स्पेरिया द्वारा चिप स्टार्टअप एनओडब्ल्यूआई के अधिग्रहण की जांच की थी, जिसे बाद में मंजूरी दे दी गई थी। लेकिन अब यह नया कदम चीन-नीदरलैंड्स व्यापारिक रिश्तों को और अधिक तनावपूर्ण बना सकता है, खासकर उस पृष्ठभूमि में जब डच कंपनी एएसएमएल को चीन को उन्नत चिप-मेकिंग उपकरणों के निर्यात पर रोक लगाने का आदेश दिया गया था। जैसे-जैसे वैश्विक व्यापार युद्ध और तकनीकी प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, नीदरलैंड्स सरकार का यह अभूतपूर्व कदम इस बात को रेखांकित करता है।

ट्रंप ने क्लिंटन से मिली सराहना का किया स्वागत, अमेरिकी राष्ट्रपति को मिस्र का सर्वोच्च सम्मान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की तारीफ का स्वागत किया है। बता दें कि, बिल क्लिंटन ने गाजा युद्धविराम समझौते में ट्रंप की भूमिका की प्रशंसा की थी। ट्रंप ने इसे बहुत अच्छा कहा और माना कि क्लिंटन सच कह रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि उनका बिल क्लिंटन से पुराना संबंध रहा है। उन्होंने कहा, वो मेरे दोस्त रहे हैंज्वो और उनकी पत्नी हिलेरी क्लिंटन भी मेरी शादी में भी आए थे। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने सोशल मीडिया पर लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप, उनकी टीम, कतर और अन्य देशों ने मिलकर इस समझौते को सफल बनाया। उन्होंने इस मौके को स्थायी शांति की दिशा में एक मौका बताया।

ट्रंप ने गाजा युद्धविराम को लेकर दिया भाषण : गाजा युद्धविराम को लेकर ट्रंप ने मिस्र के शहर शार्म अल-शेख में एक शांति सम्मेलन में भी भाषण दिया। उन्होंने इस समझौते को पश्चिम एशिया के लिए नए युग की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा, हमने वो कर दिखाया जो असंभव कहा जा रहा था। अब युद्ध खत्म हो गया है और एक नई सुबह आ रही है।

गाजा के पुनर्निर्माण पर भी बोले ट्रंप : इस दौरान ट्रंप ने दोहराया कि गाजा के पुनर्निर्माण में मदद तो होगी लेकिन पैसा हिंसा के लिए

इस्तेमाल नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा हमने तय किया है कि गाजा को दोबारा खड़ा करेंगे, लेकिन हथियारबंदी नहीं होने देंगे। मिस्र के शहर शार्म अल-शेख में एक शांति सम्मेलन में 20 से ज्यादा देशों के नेता शामिल हुए। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सीसी और ट्रंप ने इसकी अध्यक्षता की। इस सम्मेलन से पहले हमास ने सभी 20 जीवित इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया था।

ट्रंप को मिस्र ने किया सम्मानित, इस्राइल करेगा सम्मान : मिस्र ने राष्ट्रपति ट्रंप को अपने सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ द नाइल से सम्मानित किया। वहीं, इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू ने उन्हें इस्राइल प्राइज के लिए नामित किया और कहा, ट्रंप इस्राइल के अब तक के सबसे बड़े मित्र हैं।

हमास की कैद में एकमात्र हिंदू बंधक बिपिन जोशी की मौत, इजरायल को लौटाया शव

येरुशलम, एजेंसी। हमास की ओर से बंधक बनाए गए नेपाली हिंदू छात्र बिपिन जोशी का शव इजरायल को लौटा दिया गया है। 7 अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजरायल पर किए गए हमले के दौरान उसका अपहरण कर लिया गया था। अटैक के वक्त जोशी ने अपनी बहादुरी से कई सहपाठियों की जान बचाई थी। सोमवार को गाजा में संघर्ष विराम समझौते के बाद उसकी मृत्यु की पुष्टि ऐसे समय हुई, जब 20 जीवित बंधकों की रिहाई पर उत्सव का माहौल था। बंधक बनाए जाने के कुछ दिनों बाद इजरायली सेना की ओर से वीडियो फुटेज जारी किया गया, जिसमें जोशी को गाजा के शिफा अस्पताल में घसीटते हुए दिखाया गया था। यह उनकी आखिरी ज्ञात जीवित झलक थी। हमास के लड़ाकों ने जब हमला किया, तब 22 वर्षीय बिपिन जोशी नेपाल से गाजा सीमा के पास किबुत्ज अलुमिम गए थे। यहां वह खेती-किसानी को लेकर ट्रेनिंग कार्यक्रम के लिए आए थे। जोशी गाजा में जीवित माने जाने वाले एकमात्र गैर-इजरायली और हिंदू बंधक थे। नेपाल के इजरायल में राजदूत धन प्रसाद पंडित ने रिपब्लिका को उनकी मौत की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि सोमवार देर रात हमास ने जोशी के शव को इजरयइली अधिकारियों को सौंप दिया। पंडित ने कहा, बिपिन जोशी का शव हमास ने इजरायली अधिकारियों को सौंपा है और इसे तेल अवीव ले जाया जा रहा है। इजरायली सैन्य प्रवक्ता एफी डेफ्रिन ने कहा कि हमास ने बिपिन जोशी सहित 4 बंधकों के शव लौटाए हैं। उनके शव को नेपाल भेजने से पहले डीएनए टेस्ट किया जाएगा। उम्मीद है कि उनका अंतिम संस्कार नेपाली दूतावास के सहयोग से इजरायल में किया जाएगा। जोशी की इजरायल यात्रा सितंबर 2023 में शुरू हुई, जब वह 16 अन्य छात्रों के साथ किबुत्ज अलुमिम गए थे। यह पहल नेपाली छात्रों को इजरायली कृषि तरीकों के बारे ट्रेनिंग देने के लिए की गई थी। 7 अक्टूबर की सुबह हमास आतंकवादियों ने अचानक हमला कर दिया। छात्रों ने बम बंकर में शरण ली। जब बंकर के अंदर ग्रेनेड फेंके गए तो जोशी ने एक जिंदा ग्रेनेड को पकड़कर बाहर फेंक दिया, जिससे कई लोगों की जान बच गई।

दुनिया को आपकी जरूरत है, ट्रंप को रिझाने में जुटा पाकिस्तान; फिर अलापा नोबेल राग

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका को रिझाने का पाकिस्तान कोई मौका छोड़ता नजर नहीं आ रहा है। नोबेल शांति पुरस्कार के ऐलान के चार दिन बाद ही प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पुरस्कार के लिए फिर नॉमिनेट कर दिया। शरीफ का कहना है कि दुनिया को इस समय सबसे ज्यादा ट्रंप की जरूरत है। अमेरिकी राष्ट्रपति की तरफ से भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम में बड़ी भूमिका निभाने का दावा लगातार किया जा रहा है।

गाजा में शांति के लिए आयोजित शिखर सम्मेलन में शरीफ ने कहा, मैं इस महान राष्ट्रपति को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करना चाहता हूं, क्योंकि मुझे वास्तविक तौर पर लगता है कि वह वास्तविक रूप से सबसे शानदार उम्मीदवार हैं...। मुझे लगता है कि आप वह व्यक्ति हैं, जिसकी

जरूरत इस दुनिया इस समय सबसे ज्यादा है। उन्होंने कहा, दुनिया आपको ऐसे व्यक्ति के रूप में याद रखेगी, जिसने 7 और अब 8 युद्ध रुकवाने के लिए सबकुछ किया।

पाकिस्तान पीएम ने कहा, अगर यह सज्जन नहीं होते, तो कौन जानता है कि क्या होता। भारत और पाकिस्तान दोनों परमाणु ताकतें हैं। अगर यह अपनी शानदार टीम के साथ उन चार दिनों में दखल नहीं देते, तो युद्ध उस स्तर तक पहुंच जाता, जहां कोई भी यह बताने के लिए नहीं बचता कि आखिर क्या हुआ था। ट्रंप की सफाई नोबेल शांति पुरस्कार से चूकने के बाद, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष समेत आठ युद्धों को सुलझाने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह नोबेल पुरस्कार के लिए नहीं किया। ट्रंप अब तक भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष समेत सात युद्धों को सुलझाने का दावा करते रहे हैं। हालांकि, अब उन्होंने इजराइल-गाजा संघर्ष को जोड़कर यह संख्या आठ कर दी है।

रविवार को अपने एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच संघर्ष को सुलझाने की योजना का भी संकेत दिया। ट्रंप ने कहा, यह मेरा आठवां युद्ध होगा जिसे मैंने सुलझाया है, और मैंने सुना है कि अब पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच युद्ध चल रहा है। मैंने कहा, मुझे वापस आने तक इंतजार करना होगा। मैं एक और युद्ध रोक रहा हूं। क्योंकि मैं युद्ध सुलझाने में माहिर हूं। मैं शांति स्थापित करने में माहिर हूं। नोबेल विजेता पर भड़का वाइट हाउस वाइट हाउस ने शुक्रवार को नोबेल शांति पुरस्कार समिति की आलोचना करते हुए उस पर वैश्विक शांति में ट्रंप के योगदान को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। वाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, नोबेल समिति ने साबित कर दिया है कि वे राजनीति को शांति से अधिक प्राथमिकता देते हैं। यह बात वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार का विजेता घोषित किए जाने के कुछ घंटों बाद कही गई।

पाकिस्तानी रक्षामंत्री बोले- अफगानिस्तान के साथ दुश्मनी भरा माहौल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने चेतावनी दी है कि अफगानिस्तान के साथ दुश्मनी भरा माहौल है। इस्लामाबाद और काबुल में किसी भी वक्त संघर्ष शुरू हो सकता है। उन्होंने कहा कि फिलहाल दोनों देशों में कोई झड़प नहीं हो रही है, लेकिन दोनों देशों के बीच संबंध ठंड पड़ गए हैं। आसिफ ने आगे कहा, संघर्ष की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। अगर अफगानिस्तान धमकी देता है, तो हमें तुरंत प्रतिक्रिया देने का अधिकार है। दरअसल 9 अक्टूबर को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तानके ठिकानों पर हवाई हमले हुए थे। तालिबान का कहना था कि ये हमले पाकिस्तान ने किए थे। इसके जवाब में अफगानिस्तान ने 11 अक्टूबर को देर रात पाकिस्तान की 25 सैन्य चौकियों पर हमला कर दिया था। सोमवार को बॉर्डर पर दोनों देशों की सेनाएं अलर्ट पर रहीं। इस दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार और यात्रियों का आना-जाना बंद रहा। अफगानिस्तान का दावा- 58 पाकिस्तानी सैनिकों को मारा अफगानिस्तान ने दावा किया कि उसकी सेना ने शनिवार रात (11 अक्टूबर) को पाकिस्तान सीमा पर हुई झड़प में 58 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बताया कि अफगान सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान की 25 सैन्य चौकियां कब्जे में ले लीं। इसके जवाब में पाकिस्तानी सेना ने कहा कि उसके सिर्फ 25 सैनिक मारे गए, जबकि उसने 200 तालिबानी लड़ाकों को ढेर कर दिया। अफगानिस्तान ने पाकिस्तानआर्मी चीफ और रक्षा मंत्री को वीजा नहीं दिया, 3 बार अर्जी खारिज की अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ, आईएसआई प्रमुख असीम मलिक और 2 अन्य जनरलों को वीसा देने से इनकार कर दिया है। टोलो न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि पिछले 3 दिनों में वीसा अर्जी 3 बार खारिज की गई है। पाकिस्तानी सेना ने स्वीकार किया है कि सीमा पर संघर्ष में उसके 23 सैनिक और 200 तालिबानी मारे गए हैं। तालिबान सरकार के प्रवक्ता ने दावा किया कि 58 पाक सैनिक मारे गए और 30 घायल हुए हैं। वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने पाक-अफगान संघर्ष में मध्यस्थता की पेशकश की है। उधर, भारत के दौरे पर आए अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने सोमवार को कहा कि अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के खिलाफ सीमा संघर्ष में अपना उद्देश्य प्राप्त कर लिया है।

तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन ने इटली की पीएम मेलोनी से कहा- स्मोकिंग छोड़ दो; गाजा पीस समिट में मिले

वाशिंगटन, एजेंसी। तुर्किये के राष्ट्रपति राष्ट्रपति रेचप तैयप एर्दोगन ने इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी से स्मोकिंग छोड़ने के लिए कहा है। दोनों नेताओं ने सोमवार को मिस्र में गाजा पीस समिट में मुलाकात की। इस दौरान एर्दोगन ने कहा, मैंने आपको हवाई जहाज से उतरते देखा। आप शानदार लग रही हैं, लेकिन मुझे आपको स्मोकिंग छोड़वाना होगी। इस पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हंसते हुए कहा कि यह असंभव है। मेलोनी ने हल्के-फुल्के अंदाज में जवाब दिया, मुझे पता है, लेकिन मैं किसी को मारना नहीं चाहती। उन्होंने बताया कि स्मोकिंग छोड़ने से उनकी सामाजिकता कम हो सकती है। मेलोनी ने एक किताब में स्वीकार किया था।

स्पेसएक्स ने 40 माले की इमारत के बराबर रॉकेट का सफल परीक्षण किया, 11वीं उड़ान में हासिल की यह खासियत

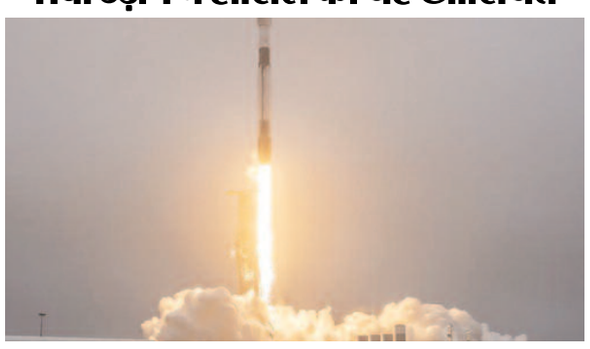

वाशिंगटन , एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने फिर बड़ा कारनामा किया है। सबसे ताकतवर रॉकेट स्टारशिप का 11वां टेस्ट सफल रहा। मंगलवार (14 अक्तूबर) को सुबह 5:00 बजे टेक्सास के बोका चिका से स्टारशिप की सफल लॉन्चिंग की गई। स्टारशिप की हिंद महासागर में लैंडिंग कराई गई। स्टारशिप अब तक का सबसे बड़ा और सबसे शक्तिशाली रॉकेट है। जो कि टेक्सास के दक्षिणी सिरे से आकाश में गर्जना के साथ उड़ा। बूस्टर रॉकेट अलग हो गया और योजना के मुताबिक मेक्सिको की खाड़ी में नियंत्रित रूप से प्रवेश किया, और स्टारशिप हिंद महासागर में उतरने से पहले अंतरिक्ष में उड़ता रहा। 11वें परीक्षण का लाइव वीडियो स्टारशिप रॉकेट को परीक्षण उड़ान के दौरान प्रक्षेपित किया और पिछली बार (10वां टेस्ट) की तरह ही दुनिया के आधे हिस्से का सफलतापूर्वक चक्कर लगाया। बूस्टर ने योजना के अनुसार मेक्सिको की खाड़ी में नियंत्रित प्रवेश किया, और अंतरिक्ष यान हिंद महासागर में उतरने से पहले अंतरिक्ष में घूमता रहा। घटनास्थल से कुछ भी बरामद नहीं हुआ। सुपर हैवी बूस्टर की अमेरिका की खाड़ी में वॉटर लैंडिंग कराई गई, जबकि स्टारशिप की हिंद महासागर में वॉटर लैंडिंग हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक ये टेस्ट 1 घंटे 6 मिनट का था। स्टारशिप अंतरिक्ष यान (ऊपरी हिस्सा) और सुपर हैवी बूस्टर (निचला हिस्सा) को पूरे तौर से स्टारशिप कहा जाता है। जिसका उद्देश्य भविष्य में रॉकेट को उड़ान भरने वाली जगह पर वापस लाने से जुड़े परीक्षण करना था। स्टारशिप की ऊंचाई 403 फीट है। जिसका उपयोग स्पेसएक्स के संस्थापक और सीईओ एलन मस्क मंगल ग्रह पर लोगों को भेजने के लिए करना चाहते हैं। दुनिया का सबसे बड़ा और शक्तिशाली रॉकेट स्पेसएक्स ने अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर वापस भेजने के अपने प्रयासों में दुनिया के सबसे बड़े और सबसे शक्तिशाली रॉकेट, स्टारशिप का उपयोग करने की योजना बनाई थी। कंपनी ने उन आलोचकों को भी खारिज करने की कोशिश की, जिन्होंने कहा था कि इसकी तकनीक नासा की चंद्र परियोजनाओं को पूरा करने और मनुष्यों को मंगल ग्रह पर ले जाने के मस्क के सपने को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकती है।

पहले कनाडा, फिर ब्रिटिश पीएम की बेइज्जती; ट्रंप ने मिस्र में इन नेताओं को किया शर्मसार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को मिस्र के शर्म अल-शेख में आयोजित गाजा शांति सम्मेलन के दौरान कई विश्व नेताओं को अनजाने में या जानबूझकर शर्मिंदा कर दिया। यह घटना तब घटी जब ट्रंप ने इजरायल-हमास युद्ध को समाप्त करने वाले ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए बुलाए गए वैश्विक नेताओं को संबोधित किया। सम्मेलन में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर सहित दर्जनों देशों के नेता मौजूद थे। ट्रंप के भाषण और उनके व्यवहार ने सोशल मीडिया पर खूब चर्चा छेड़ दी। कई यूजर्स ने इसे ट्रंप का क्लासिक स्टाइल करार दिया। पहले कनाडा के कार्नी को प्रेसिडेंट कहकर हुई गलती, लेकिन जोक में बदल गया ट्रंप ने अपने भाषण की शुरुआत में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का जिक्र करते हुए उन्हें मिस्टर प्रेसिडेंट कह दिया, जबकि कार्नी कनाडा के प्रधानमंत्री हैं। यह गलती ट्रंप के वाइट हाउस में कार्नी से हुई हालिया मुलाकातों के संदर्भ में और भी मजेदार लगी, जहां ट्रंप ने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की धमकी दी थी। कार्नी ने तुरंत मंच पर हल्के-फुल्के अंदाज में जवाब दिया, आपने मुझे अपग्रेड कर दिया, सर! ट्रंप ने हंसते हुए कहा, ओह, क्या मैंने ऐसा कहा? कम से कम मैंने गवर्नर तो नहीं कहा। दोनों नेताओं के बीच यह आदान-प्रदान कैमरों में कैद हो गया और कार्नी के पीछे खड़े ब्रिटिश पीएम स्टार्मर ने नर्वस स्माइल के साथ तालियां बजाते दिखे। यह घटना ट्रंप-कार्नी संबंधों की पृष्ठभूमि में देखी जा रही है। 7 अक्टूबर को वाइट हाउस में हुई मुलाकात के दौरान ट्रंप ने कनाडा पर लगे भारी टैरिफ को लेकर सख्त रुख अपनाया था। कार्नी पूर्व केंद्रीय बैंक गवर्नर रह चुके हैं। उन्होंने ट्रंप की चापलूसी की कोशिश की थी, लेकिन ट्रंप ने कोई रियायत नहीं दी। ब्रिटिश पीएम स्टार्मर की बेइज्जती-मंच पर बुलाया, लेकिन बोलने

न दिया कार्नी के साथ जोक के ठीक बाद ट्रंप ने मंच पर खड़े नेताओं को संबोधित करते हुए कहा, मैंने आप सबको इतने सालों से जाना है। तभी उन्होंने ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर की ओर इशारा किया और कहा, कीर, आपका क्या? आइए, बोलिए! स्टार्मर ने समझा कि उन्हें बोलने के लिए बुलाया गया है, इसलिए वे उत्साहित होकर मंच के आगे बढ़े। लेकिन ट्रंप ने उन्हें रोकते हुए कहा, नहीं-नहीं, बस थोड़ा इंतजार कीजिए। आपकी बारी बाद में। स्टार्मर असहज दिखे, चारों ओर देखा, फिर धीरे-धीरे पीछे लौटे। कार्नी ने उन्हें हल्के से कंधा थपथपाया, लेकिन स्टार्मर की यह स्क्वाटलिंग (पीछे हटना) वाली हरकत कैमरों में कैद हो गई। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, स्टार्मर ने एक फीकी मुस्कान के साथ स्थिति संभाली, लेकिन सोशल मीडिया पर उन्हें खूब ट्रोल किया गया। एक यूजर ने लिखा, ट्रंप ने स्टार्मर को वर्ल्ड स्टेज पर एपिक तरीके से शर्मिंदा किया। ट्रंप कभी नहीं भूलते! एक अन्य ने कहा, स्टार्मर सोचे होंगे, मैं तो बोलने आया था, लेकिन ट्रंप का जोक बन गए। कई अन्य नेताओं को किया शर्मसार-ऐतिहासिक मध्य पूर्व का उदय भाषण में तंज ट्रंप का भाषण मुख्य रूप से गाजा शांति समझौते पर केंद्रित था, जिसे उन्होंने मध्य पूर्व में ऐतिहासिक सवाना करार दिया। समझौते के तहत इजरायल-हमास के बीच कैदी-बंदी आदान-प्रदान और युद्धविराम पर हस्ताक्षर हुए, जिसमें अमेरिका ने मध्यस्थता की। लेकिन भाषण के दौरान ट्रंप ने कई नेताओं पर तंज कसे। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सीसी को ट्रंप ने कहा, आपने मिस्र को फिर से महान बनाया, लेकिन मेरी मदद के बिना यह संभव न था। सीसी ने मुस्कुराकर ताली बजाई, लेकिन कुछ विश्लेषकों ने इसे ट्रंप का क्रेडिट चोरी करार दिया। इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को ट्रंप ने मेरा पुराना दोस्त कहा, लेकिन ये भी कहा कि तुम्हें मेरी सलाह माननी चाहिए थी, वरना यह युद्ध इतना लंबा न चलता। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान को ट्रंप ने मिडिल ईस्ट का असली बॉस कहा, लेकिन तंज कसते हुए बोले, तुम्हारे पैसे से यह डील हुई, लेकिन मेरा दिमाग था। भारत के सवाल पर असहज दिखे शहबाज शरीफ इस दौरान ट्रंप ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री से कुछ ऐसा पूछ लिया कि वे खुद असहज दिखे। डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम लिए बिना उनकी प्रशंसा करते हुए कहा, ''भारत महान देश है, जिसका नेतृत्व मेरे बहुत अच्छे मित्र कर रहे हैं।

कप्तान शुभमन सहित भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रवाना हुई, विराट और रोहित भी थे टीम के साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रवाना हुई। इसमें नये एकदिवसीय कप्तान शुभमल गिल के अलावा अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली सहित कई अन्य खिलाड़ी शामिल थे। भारत के ऑस्ट्रेलिया के बीच 19 अक्टूबर से सीरीज शुरु होगी। इस दौरे पर भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज के अलावा 5 मैच की टी20 सीरीज भी खेलेगी। इस दौरे पर एकदिवसीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे जबकि टी20 की कप्तानी सूर्यकुमार यादव के पास रहेगी। रोहित और विराट एकदिवसीय सीरीज से सात माह बाद मैदान में वापसी करेंगे।

रवाना होने वाले खिलाड़ियों में कप्तान शुभमन , रोहित, विराट, श्रेयस अय्यर, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल, हर्षित राणा, केएल राहुल, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, नितीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा आदि थे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला एकदिवसीय मुकाबला पर्थ में खेला जाएगा।

चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद से ही ये भारतीय टीम की पहली एकदिवसीय सीरीज होगी।

भारत की एकदिवसीय टीम- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (वीसी), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल।

भारत की टी20 टीम- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुबमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

एकदिवसीय सीरीज कार्यक्रम-

पहला एकदिवसीय- 19 अक्टूबर ; सुबह 9 बजे
दूसरा एकदिवसीय- 23 अक्टूबर ; सुबह 9 बजे
तीसरा एकदिवसीय- 25 अक्टूबर ; सुबह 9 बजे

टी20 कार्यक्रम

पहला टी20- 29 अक्टूबर ; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से
दूसरा टी20- 31 अक्टूबर ; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से
तीसरा टी20- 2 नवंबर ; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से
चौथा टी20- 6 नवंबर ; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से
पांचवां टी20- 8 नवंबर ; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से

राशिद खान ने रचा इतिहास, बने दुनिया के नंबर 1 वनडे गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान के स्टार लेग-स्पिनर राशिद खान ने बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईसीसी वनडे गेंदबाज़ी रैंकिंग में पहला स्थान हासिल कर लिया है। राशिद ने सीरीज में कुल 11 विकेट झटके, जिसमें एक पांच विकेट हॉल (फाइव-विकेट हॉल) भी शामिल था।

इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज, श्रीलंका के महेश थीक्षाना, इंग्लैंड के जोफ़ा आर्चर, भारत के कुलदीप यादव और नामीबिया के बर्नार्ड स्कॉल्ट्ज को पछाड़कर शीर्ष स्थान अपने नाम किया।

राशिद खान का प्रदर्शन

अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान अबू धाबी में बांग्लादेश पर 3-0 की जीत के बाद वनडे में नंबर 1 गेंदबाज बन गए हैं। राशिद ने सीरीज में 6.09 की औसत और 2.73 की इकॉनमी रेट से 11 विकेट लिए।

अफगान खिलाड़ियों का दबदबा

राशिद के साथी अजमतुल्लाह ओमरजई ने भी सीरीज़ में 7 विकेट झटके और आईसीसी ऑलराउंडर रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया। वहीं इब्राहिम जद्रान, जिन्होंने लगातार दो मैचों में 95-95 रन की शानदार पारियां खेलीं, वनडे बल्लेबाज़ी रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।

जद्रान को सीरीज में 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। उन्होंने कहा, 'सेंचुरी से चूकना थोड़ा दुखद था, लेकिन मैं टीम के लिए 100त देने पर ध्यान केंद्रित कर रहा था। राशिद और पूरी टीम ने इस जीत को खास बना दिया।'

भारत के लिए अच्छी खबर

वहीं भारतीय क्रिकेटरों की रैंकिंग में भी सुधार देखने को मिला है। कुलदीप यादव सात स्थान की छलांग लगाकर आईसीसी टेस्ट गेंदबाज़ी रैंकिंग में 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

महिला विश्व कप : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धीमी ओवर गति के लिए भारत पर जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। विशाखापत्तनम में रविवार (12 अक्टूबर) को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी महिला विश्व कप मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए भारत पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। गत चैंपियन टीम ने भारत के 330 रनों के लक्ष्य को एक ओवर और तीन विकेट शेष रहते हासिल कर लिया। समय सीमा को ध्यान में रखते हुए पाया गया कि भारत अपने लक्ष्य से एक ओवर पीछे था। यह जुर्माना एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के मिशेल पेरेरा ने लगाया। खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता की धारा 2.22 के अनुसार - जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है - खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में गेंदबाजी न करने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपराध स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित दंड स्वीकार कर लिया, जिसका अर्थ है कि किसी औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं थी। यह आरोप मैदानी अंपायर सू रेडफर्न और निमाली परेरा, तीसरे अंपायर किम कॉटन और चौथे अंपायर जैकलीन विलियम्स द्वारा लगाया गया था।

आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में रुट , एकदिवसीय में शुभमन व टी20 में अभिषेक शीर्ष पर

दुबई (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को तीनों प्रारूपों टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 के लिए खिलाड़ियों की रैंकिंग जारी की। इसमें टेस्ट बल्लेबाजी में इंग्लैंड के जो रुट शीर्ष पर है। वहीं एकदिवसीय बल्लेबाजी में भारत के शुभमन गिल जबकि टी20 में अभिषेक शर्मा शीर्ष पर हैं। गेंदबाजों में भारत के जसप्रीत बुमराह टेस्ट जबकि अफगानिस्तान के राशिद खान एकदिवसीय में नंबर एक पर हैं। भारत के ही वरुण चक्रवर्ती टी20 रैंकिंग में नंबर एक पर हैं। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल लंबी छलांग लगाकर जहां टेस्ट फॉर्मेट में पांचवें स्थान पर पहुंचे हैं, वहीं अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान आठ स्थान की छलांग लगाते हुए एकदिवसीय रुप में दूसरे नंबर के बल्लेबाज बने हैं। शीर्ष पर शुभमन हैं। टी20 में भारत के अभिषेक शर्मा तो गेंदबाजी में वरुण चक्रवर्ती शीर्ष पर हैं।

टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग

1. जो रूट (इंग्लैंड), 2. हैरी ब्रूक (इंग्लैंड), 3. केन विलियमसन (न्यूजीलैंड), 4. स्टीव स्मिथ (ऑस्ट्रेलिया), 5. यशस्वी जायसवाल (भारत), 6. टेंबा बवुमा (दक्षिण अफ्रीका), 7. कामिंदु मेंडिस (श्रीलंका), 8. ऋषभ पंत (भारत), 9. डेरिल मिचेल (न्यूजीलैंड), 10. बेन डकेट (इंग्लैंड)

एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग

1. शुभमन गिल (भारत), 2. इब्राहिम जादरान (अफगानिस्तान), 3. रोहित शर्मा (भारत), 4. बाबर आजम (पाकिस्तान), 5. विराट कोहली (भारत), 6. डेरिल मिचेल (भारत), 7. चरिथ असालंका (श्रीलंका), 8. हैरी टैक्टर (आयरलैंड), 9. श्रेयस अय्यर (भारत), 10. शाई होप (वेस्टइंडीज)

टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग

1. अभिषेक शर्मा (भारत), 2. फिल साल्ट (इंग्लैंड), 3. तिलक वर्मा (भारत), 4. जोस बटलर (इंग्लैंड), 5. पथुम निसांका (श्रीलंका), 6. ट्रेविस हेड (श्रीलंका), 7. टिम सिफर्ट (न्यूजीलैंड), 8. सूर्यकुमार यादव (भारत), 9. कुसाल परेरा (श्रीलंका), 10. मिशेल मार्श (ऑस्ट्रेलिया)

टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग

1. जसप्रीत बुमराह (भारत), 2. कगिसो रबाडा (दक्षिण अफ्रीका), 3. मैट हेनरी (न्यूजीलैंड), 4. पैट कमिंस (ऑस्ट्रेलिया), 5. जोश हेजलवुड (ऑस्ट्रेलिया), 6. नोमान अली (पाकिस्तान), 7. स्कॉट बोलैंड (ऑस्ट्रेलिया), 8. नाथन लियोन (ऑस्ट्रेलिया), 9. मार्को यानसेन (दक्षिण अफ्रीका), 10. मिचेल स्टॉर्क (ऑस्ट्रेलिया)

एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग

1. राशिद खान (अफगानिस्तान), 2. केशव महाराज (दक्षिण अफ्रीका), 3. महिश तिक्षाणा (श्रीलंका), 4. जोफ्रा आर्चर (इंग्लैंड), 5. कुलदीप यादव (भारत), 6. बर्नार्ड स्कोल्ट्ज (नामीबिया), 7. मिचेल सेंटनर (न्यूजीलैंड), 8. आदिल राशिद (इंग्लैंड), 9. मैट हेनरी (न्यूजीलैंड), 10. रवींद्र जडेजा (भारत)

टी20 गेंदबाजी रैंकिंग

1. वरुण चक्रवर्ती (भारत), 2. अकील हुसैन (वेस्टइंडीज), 3. राशिद खान (अफगानिस्तान), 4. एडम जांपा (ऑस्ट्रेलिया), 5. जैकब डफी (न्यूजीलैंड), 6. आदिल रशीद (इंग्लैंड), 7. वानिंदु हसरंगा (श्रीलंका), 8. अबरार अहमद (पाकिस्तान), 9. नुवान तुषारा (श्रीलंका), 10. कुलदीप यादव (भारत)

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में इंपेक्ट प्लेयर रहे सिराज

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज के खिलाफ भारतीय टीम की टेस्ट सीरीज में 2-0 से जीत के बाद इंपैक्ट प्लेयर का अवार्ड तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को मिला है। बीसीसीआई ने इस पदक समारोह का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में पोस्ट किया है। सिराज इस वीडियो में कह रहे हैं, 'यह सीरीज बहुत अच्छी रही क्योंकि हम अहमदाबाद में खेले थे, जहां तेज गेंदबाज़ों को काफी मदद मिली थी पर फिर हम दिल्ली आ गए, और हमें यहां काफी ओवर फेंकने पड़े। हर विकेट 5 विकेट जैसा लगा। एक तेज गेंदबाज के तौर पर, जब आपको अपनी मेहनत का फल मिलता है, तो आपको काफी अच्छा अनुभव होता है। आप रेसिंग रूम के प्रभावशाली खिलाड़ी भी होते हैं, इसलिए ये सब बहुत अच्छा लगता है।

उन्होंने आगे कहा, जब आप कुछ हासिल करते हैं, तो आपको अपने बारे में बहुत अच्छा लगता है। मुझे अपने पर बहुत गर्व है। मैं इसी तरह अपना प्रदर्शन जारी रखूंगा, क्योंकि मेरा पसंदीदा प्रारुप टेस्ट क्रिकेट है। इसमें कई चुनौतियां होती हैं। आपको पूरे दिन शारीरिक और मानसिक रूप से मैदान पर टिके रहना होता है। मुझे योगदान देने में सक्षम होने पर बहुत गर्व है। सिराज अब ऑस्ट्रेलिया दौरे में खेलते नजर आयेंगे।

नीतीश को लेकर अश्विन ने चयन समिति पर निशाना साधा

-बोले, गेंदबाजी नहीं करानी थी तो किसी और को रखते

नई दिल्ली । भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के मामले को लेकर चयन समिति पर निशाना साधा है। अश्विन ने कहा कि जब नीतीश से गेंदबाजी ही नहीं करानी तो उन्हें टीम में शामिल ही क्यों किया गया था। अश्विन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ समाप्त हुई टेस्ट सीरीज में नीतीश को अंतिम ग्यारह में रखे जाने के कारणों पर भी सवाल उठये हैं। वहीं कप्तान शुभमन गिल ने कहा भी था कि इस ऑलराउंडर को इसलिए रखा गया जिससे कि उसे अभ्यास का अवसर मिले सकें क्योंकि विदेशी पिचों पर भारत को तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर की जरूरत होती है। वहीं कोच गौतम गंभीर ने भी कहा कि नीतीश को टीम में रहने से अनुभव तो हो रहा है। दूसरी ओर अश्विन का कहना है कि जब उसे गेंदबाजी ही नहीं दी गयी तो अंतिम ग्यारह में रहने से किस प्रकार से अनुभव मिलेगा। गौरतलब है कि नीतीश ऑलराउंडर के तौर पर दोनों ही मैचों में रखे गये थे। पहले टेस्टम में उन्होंने केवल 4 ओवर गेंदबाजी की, जबकि दूसरे टेस्ट में एक ओवर भी नहीं फेंका था। इसी को लेकर अश्विन ने कहा कि जब रेड्डी से गेंदबाज करानी ही नहीं थी तो उनकी जगह पर किसी विशेषज्ञ बल्लेबाज को खिलाया जा सकता था। या फिर अक्षर पटेल जैसे स्थापित ऑलराउंडर को रखा जा सकता था। अश्विन ने कहा, अगर नीतीश रेड्डी की यही भूमिका है तब तो मुझे लगता है कि आप एक विशेषज्ञ बल्लेबाज या गेंदबाज को खेला सकते हैं। आप अक्षर पटेल को खिला सकते थे।

एशिया कप तनाव के बाद भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने मिलाया हाथ

जोहोर (मलेशिया) (एजेंसी)। मलेशिया के जोहोर बाहरू में सुल्तान ऑफ जोहोर कप में भारत और पाकिस्तान के बीच जूनियर हॉकी मैच मंगलवार को राष्ट्रगान के बाद दोनों पक्षों के खिलाड़ियों के बीच हाई-फाइव के साथ शुरू हुआ और 3-3 से ड्रॉ रहे कड़े मुकाबले के बाद हाथ मिलाने के साथ समाप्त हुआ।

यह घटनाक्रम पिछले महीने हुए एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के विपरीत है, जहां भारतीय और पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने मैदान पर किसी भी तरह की बातचीत से परहेज किया था। एशिया कप में सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर अपने पाकिस्तानी समकक्षों के साथ पारंपरिक हाथ मिलाने से परहेज किया और अपनी जीत

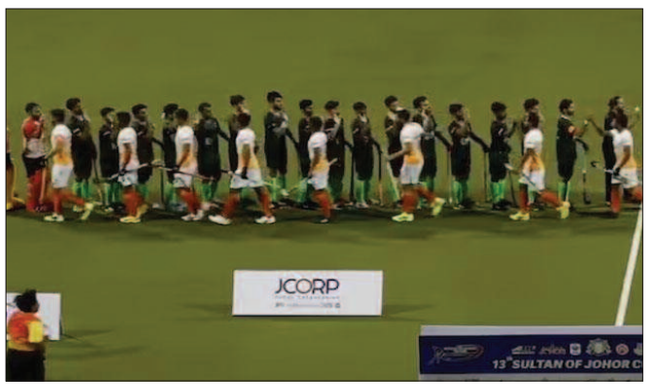

पहलगाम आतंकवादी हमले से प्रभावित परिवारों को समर्पित की। बाद में भारत ने PCB और ACC प्रमुख मोहसिन नकवी, जो पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं, से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया।

सूर्यकुमार ने कहा था, 'मुझे नहीं पता कि आगे क्या होगा। दिल्ली अभी बहुत दूर है। मुझे नहीं पता कि अगले मैच में पाकिस्तान के साथ क्या होगा। वैसे भी, हम सिर्फ बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट में ही खेलते हैं, लेकिन उस समय जो भी होगा, हम देखेंगे। फिलहाल, यही वो पल है जिसका हम आनंद लेना चाहते हैं।'

इसके विपरीत भारत और पाकिस्तान की जूनियर टीमों के बीच सुल्तान जोहोर कप हॉकी मैच का माहौल हमेशा की तरह सामान्य था। राष्ट्रगान के बाद खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को हाई-फाइव दिए और 3-3 से रोमांचक ड्रॉ के बाद हाथ मिलाए। मैच से पहले पाकिस्तान हॉकी महासंघ (PHF) ने कथित तौर पर अपने खिलाड़ियों को किसी भी तरह के टकराव से बचने और पूरी तरह से खेल पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया था - इस कदम से मैदान पर माहौल सम्मानजनक और खेल भावना से भरा रहा।

ऑस्ट्रेलिया में रोहित और विराट के खेल का जादू देखना चाहते हैं सभी : शुभमन

मुम्बई । अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली करीब सात महीने के बाद मैदान पर खेलते नजर आयेंगे। ये दोनो ही भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया रवाना हुए हैं। टीम के रवाना होने से पहले एकदिवसीय प्रारुप के नये कप्तान बने शुभमन गिल ने कहा कि सभी लोग इन दोनो अनुभवी खिलाड़ियों के कौशल को देखना चाहते हैं। शुभन ने कहा कि टीम चाहती है कि दोनों खिलाड़ी अपने खेल का जादू सभी को दिखाएं। गिल ने कहा, ये दोनो ही पिछले एक दशक से अधिक समय से भारतीय टीम को जीत दिलाते रहे हैं। साथ ही कहा कि उनका अनुभव हर कप्तान और हर टीम के लिए बेहद अहम होता रहा है। ऐसे में हम बस यही चाहते हैं कि वो जाएं और अपना कमाल दिखाएं। साथ ही कहा कि भारतीय टीम पिछले दो-तीन साल से एकदिवसीय प्रारुप में बेहतरीन खेल दिखा रही है। इसी लय में वह बनाये रखना चाहती है। उन्होंने कहा, हमने पिछले कुछ सालों में काफी अच्छा क्रिकेट खेला है। टीम लगभग वही है, इसलिए किसी प्रकार के बदलाव की जरूरत नहीं है। ऑस्ट्रेलिया में खेलना हमेशा ही रोमांचक होता है और इसी को लेकर हम सब बेहद उत्साहित हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 19 अक्टूबर से शुरू होगी। वहीं कई दिग्गज को मानना है कि इस सीरीज के आधार पर ही रोहित और विराट का आगे का करियर निर्भर करेगा।

शुभमन गिल ने अभी तक कप्तानी के सबसे बुरे दिनों का सामना नहीं किया है: गंभीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा कि शुभमन गिल के लिए कप्तानी के अभी शुरुआती दिन हैं और उन्होंने अभी तक अपने सबसे कठिन दिनों का सामना नहीं किया है। गंभीर ने गिल की दबाव और कठिन परिस्थितियों से निपटने की क्षमता की तारीफ़ की। गिल ने रोहित शर्मा के स्थान पर भारतीय टेस्ट टीम की कमान संभाली और इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला में 2-2 से ड्रॉ कर शानदार शुरुआत की।

कप्तानी की शुरुआत और दबाव

गिल का यह पहला पूर्णकालिक टेस्ट कप्तानी कार्यकाल चुनौतीपूर्ण रहा। दिल्ली में वेस्टइंडीज़ के खिलाफ दूसरे टेस्ट में सात विकेट से जीत के साथ उन्होंने भारतीय कप्तान के रूप में अपनी पहली टेस्ट श्रृंखला जीत दर्ज की। गंभीर ने बताया कि गिल ने अपनी टीम को दबाव में भी संभालने की क्षमता दिखाई और यह दिखाया कि वह मुश्किल हालात में भी शांत रह सकते हैं।

गंभीर का समर्थन और मार्गदर्शन

गंभीर ने कहा कि एक कोच के रूप में उनका कर्तव्य है कि वह गिल के कंधों से दबाव और आलोचना को कम करें, बशर्ते गिल टीम के लिए सही निर्णय लें और ड्रेसिंग रूम में ईमानदार और पारदर्शी रहें। उन्होंने कहा, 'अब तक, वह शानदार रहे, पारदर्शी, मेहनती और टीम के हित में निर्णय लेने वाले। एक कोच इससे अधिक क्या उम्मीद कर सकता है?'

इंग्लैंड दौरे में कठिन परीक्षा

गंभीर ने इंग्लैंड दौरे को गिल की कप्तानी की सबसे कठिन परीक्षा बताया। उन्होंने याद किया कि गिल को युवा टीम के साथ एक बेहतरीन इंग्लैंड टीम के सामने खड़ा किया गया। गंभीर ने कहा कि इंग्लैंड में बनाए गए रन महत्वपूर्ण नहीं थे, बल्कि दबाव में टीम का नेतृत्व करना असली परीक्षा थी। उन्होंने गिल की नेतृत्व क्षमता और मानसिक मजबूती की सराहना की।

सफलता के हकदार

गंभीर ने कहा कि गिल ने 25 दिनों के कड़े क्रिकेट के दौरान कभी निराशा या दबाव का संकेत नहीं दिखाया। उन्होंने मुस्कुराते हुए नेतृत्व किया और टीम को एकजुट रखा। गंभीर के अनुसार, गिल अब और भविष्य में हर सफलता के हकदार हैं, क्योंकि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी खुद को साबित किया।

आगामी वनडे श्रृंखला की तैयारी

वेस्टइंडीज़ पर टेस्ट सीरीज़ जीत के बाद, गिल अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू वनडे श्रृंखला की तैयारी कर रहे हैं। गंभीर ने उम्मीद जताई कि गिल आगामी सीरीज़ में भी दबाव में शांत और प्रभावशाली नेतृत्व दिखाएंगे। गिल के लिए यह नया अनुभव उनकी कप्तानी यात्रा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा।

मैक्सवेल की ऑलटाइम एकदिवसीय टीम में छह भारतीय और पांच ऑस्ट्रेलियाई

-इंग्लैंड के एक भी खिलाड़ी को नहीं मिली जगह

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने एक ऑलटाइम एकदिवसीय टीम चुनी है। इसमें सबसे अधिक छह भारतीय और पांच ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को शामिल किया गया है पर हैरानी की बात है कि इंग्लैंड के एक भी खिलाड़ी को इसमें जगह नहीं मिल है। मैक्सवेल की इस टीम में सचिन तेंदुलकर और विराट सहित छह भारतीय खिलाड़ियों को लिया गया है। वहीं रिकी पोंटिंग, माइकल बेवन, शेन वॉटसन सहित पांच ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी शामिल हैं। टीम में इंग्लैंड के एक भी खिलाड़ी को जग नहीं मिलना उसकी बेइज्जती माना जा रहा है। सलामी बल्लेबाज के लिए मैक्सवेल ने तेंदुलकर और रोहित को शामिल किया है। वहीं हैरानकी की बात है कि डेविड वॉर्नर, मैथ्यू हेडन और एडम गिलक्रिस्ट को इस टीम में जगह नहीं मिली है। तीसरे नंबर पर मैक्सवेल ने विराट कोहली को शामिल करते हुए उन्हें अपनी पीढ़ी का सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाज करार दिया।

मैक्सवेल की टीम में पोंटिंग चौथे जबकि माइकल बेवन पांचवें नंबर पर हैं। इस नंबर पर उन्होंने इंग्लैंड के इयोन मोर्गन और बेन स्टोक्स जैसे खिलाड़ियों को जगह नहीं दी है। ऑलराउंडर के लिए मैक्सवेल ने शॉन वॉटसन को रखा है।

वहीं विकेट कीपर के रूप में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को रखा है। इंग्लैंड के जोस बटलर और ऑस्ट्रेलिया से एडम गिलक्रिस्ट को भी टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं मैक्सवेल ने अपने गेंदबाजी आक्रमण में ब्रेट ली, ग्लेन मैक्ग्रा और जसप्रीत बुमराह को रखा है। स्पिनर के तौर पर अनिल कुंबले को रखा गया है।

फीफा क्वालिफायर में रोनाल्डो ने रचा इतिहास, मेसी से आगे निकले

नई दिल्ली (एजेंसी)। फुटबॉल के महानतम गोलस्कोरर्स में शुमार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक बार फिर इतिहास रच दिया। हंगरी के खिलाफ फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबले में उन्होंने दो गोल दागकर नया रिकॉर्ड बनाया। हालांकि मैच 2-2 की बराबरी पर खत्म हुआ, लेकिन रोनाल्डो की यह शानदार परफॉर्मेंस चर्चा में रही।

पहले हाफ के 22वें मिनट में रोनाल्डो ने क्लोज रेंज से गोल दागा और अपने वर्ल्ड कप क्वालिफायर करियर का 40वां गोल पूरा किया। इस गोल के साथ उन्होंने ग्वाटेमाला के पूर्व खिलाड़ी कार्लोस रुइज़ (39 गोल) को पीछे छोड़ दिया। पहले हाफ के इंजरी टाइम में उन्होंने एक और गोल कर रिकॉर्ड को 41 तक पहुंचा दिया।

इसके साथ ही रोनाल्डो के नाम अब सबसे ज़्यादा वर्ल्ड कप क्वालिफायर गोल (41) हैं – जो उन्हें लियोनेल मेसी (36) से काफी आगे ले जाता है। वहीं मेसी ने अब तक 72 क्वालिफायर मैचों में 36 गोल किए हैं।

रोनाल्डो के नाम अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में कई रिकॉर्ड

सबसे ज़्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल- 143
सबसे ज़्यादा मैच (कैप्स)- 215+
यूरोपीय चैम्पियनशिप में सबसे ज़्यादा गोल- 14

फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर में सर्वाधिक गोल करने वाले टॉप-5 खिलाड़ी

क्रिस्टियानो रोनाल्डो - 41 गोल (51 मैच)
कार्लोस रुइज़ - 39 (47 मैच)
लियोनेल मेसी - 36 (72 मैच)
अली दाई - 35 (51 मैच)
रॉबर्ट लेवानडोव्स्की - 33 (42 मैच)

मैच में 78वें मिनट तक पुर्तगाल 2-1 से आगे था, लेकिन हंगरी के डोमिनिक स्जोबोज़लाइ ने इंजरी टाइम में गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। मैच के बाद रोनाल्डो ने सोशल मीडिया पर लिखा – 'हम अपने लक्ष्य के करीब हैं! चलो पुर्तगाल!'

कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने माना कि टीम आखिरी 10 मिनट में मैच को सही तरह से मैनेज नहीं कर पाई। फिर भी, इस ड्रॉ के बावजूद पुर्तगाल ग्रुप एफ में 10 अंकों के साथ टॉप पर बना हुआ है।

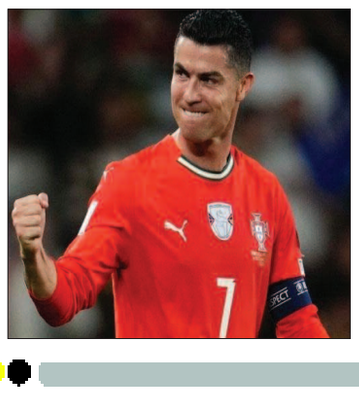

'बंदर' की आलोचनाओं पर अनुराग ने तोड़ी चुप्पी

अपनी पिछली रिलीज फिल्म 'निशानची' को लेकर सुर्खियां बटोरने वाले अनुराग कश्यप अब अपनी आगामी फिल्म 'बंदर' को लेकर चर्चाओं में हैं। बॉबी देओल स्टारर इस फिल्म का हाल ही में टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रीमियर हुआ था। वहां प्रीमियर होने के बाद फिल्म को लेकर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुछ लोग इसे काफी उत्तेजक और भड़काऊ फिल्म बता रहे हैं। जबकि कई लोग इसे मीटू मूवमेंट से जोड़कर मीटू विरोधी बता रहे हैं। अब इन आलोचनाओं के बीच निर्देशक अनुराग कश्यप ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और प्रतिक्रिया दी है।

मीटू से फिल्म का कोई लेना-देना नहीं

स्क्रीन के साथ बातचीत के दौरान अनुराग कश्यप ने फिल्म को लेकर हो रही आलोचनाओं पर रिएक्शन देते हुए कहा कि इसका मीटू से कोई लेना-देना नहीं है। निर्देशक ने कहा कि जब कोई फिल्म झूठे बलात्कार के आरोप के बारे में होती है, तो ऐसी बातें होती हैं। लेकिन 'मीटू' ताकत के बारे में है, किसी व्यक्ति द्वारा ताकत के पद का इस्तेमाल करके कुछ करने के बारे में। इस फिल्म का उस तरह के पावरप्ले या उस तरह के पहलू से कोई लेना-देना नहीं है। इसलिए इस फिल्म का मीटू अभियान से कोई लेना-देना नहीं है।

बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं रही 'निशानची'

वर्कफ्रंट की बात करें तो अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित 'निशानची' पिछले महीने सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को क्रिटिक्स ने सराहा था। लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। वहीं बॉबी देओल आखिरी बार आर्यन खान के शो 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में नजर आए थे। अब बॉबी यशराज के स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'अल्फा' में नजर आएंगे।

हर कोई जवान दिखने की कोशिश कर रहा है, आपको भी करनी चाहिए

बॉलीवुड में अभिनेताओं की बढ़ती उम्र हमेशा से बहस का विषय रही है। पुरुष अभिनेता फिल्मों में अपने से काफी छोटी उम्र की अभिनेत्रियों के साथ रोमांस करते रहते हैं। ऐसे में क्या महिला अभिनेत्रियों को अपनी उम्र बढ़ने से रोकने का दबाव महसूस होता है? इस पर चित्रांगदा सिंह ने अपनी बात रखी है।

किरदार निभाना आना चाहिए

क्या महिला कलाकारों से वाकई जवान दिखने की उम्मीद की जाती है, इस बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा यह सबके लिए है। अगर आप 70 साल की महिला का किरदार निभा रही हैं, तो आपको वैसा ही दिखना चाहिए। अगर आप 30 साल की उम्र की भूमिका निभाना चाहती हैं, तो आपको उसे निभाना आना चाहिए।

अक्षय कुमार फिटनेस पर ध्यान देते हैं

चित्रांगदा सिंह का कहना है कि निर्माताओं का ऐसा सोचना जायज है। पुरुष अभिनेताओं के लिए भी यही बात लागू होती है। अक्की (अक्षय कुमार) अपनी फिटनेस पर ध्यान देते हैं, अपने खान-पान पर ध्यान देते हैं। बेशक, जब किसी पुरुष अभिनेता का किरदार लिखा जाता है, तो महिला किरदार के बजाय ज्यादा लचीलापन होता है। मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई पक्षपात है। वे फिल्म को आगे बढ़ाते हैं।

करीना और विद्या अच्छा कर रही हैं

चित्रांगदा सिंह ने आगे कहा समय बहुत बदल गया है। करीना कपूर कमाल का काम कर रही हैं। विद्या (बालन) बहुत काम कर रही हैं। ये सभी कलाकार अभी भी स्क्रीन पर अपनी अच्छी उपस्थिति बनाए हुए हैं। जहां तक एक खास तरह का दिखने के दबाव की बात है, निकोल किडमैन, डेमी मूर को ही देख लीजिए, हर कोई (जवान दिखने की) कोशिश कर रहा है, आपको भी यह कोशिश करनी होगी। बेशक कलाकारों को हर चीज में दबाव का सामना करना पड़ता है।

चित्रांगदा सिंह का वर्कफंट

चित्रांगदा सिंह जल्द ही सलमान खान के साथ फिल्म बैटल ऑफ गलवां में नजर आने वाली हैं। सलमान खान इसमें आर्मी अफसर की भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म अगले साल की शुरुआत में रिलीज हो सकती है।

रणवीर सिंह, बॉबी देओल और श्रीलीला ने अपनी नई फिल्म की शूटिंग की पूरी

रणवीर सिंह, बॉबी देओल और श्रीलीला की आने वाली फिल्म काफी चर्चा में है। सेट से झलकियां और लीक हुई तस्वीरें सामने आने के बाद से ही यह प्रोजेक्ट सुर्खियों में है। ऐसे में जब इस तिकड़ी को साथ में शूटिंग करते देखा गया, उसके बाद फैन्स के बीच इसे लेकर उत्सुकता बढ़ गई यह जानने के लिए कि आखिर यह टीम किस प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। अब सूत्र के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट की शूटिंग आधिकारिक तौर पर पूरी हो गई है। टीम ने हाल ही में आखिरी शेड्यूल खत्म किया है, जिससे इस साल के सबसे बड़े और रोमांचक प्रोजेक्ट्स में से एक की शूटिंग पूरी हो गई है। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने कहा, शूटिंग आराम से पूरी हो गई है और मेकर्स जल्द ही कुछ बड़ा करने की सोच रहे हैं। इस प्रोजेक्ट से जुड़ी एक बड़ी खबर अगले हफ्ते आ सकती है। रणवीर और श्रीलीला की जोड़ी बहुत अच्छी लगी है, जो नई, जोश से भरी हुई और दर्शकों को जरूर पसंद आएगी। फिलहाल फिल्म से जुड़ी जानकारी गुप्त रखी गई है, लेकिन फैंस का उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है, क्योंकि आने वाले दिनों में एक बड़ी घोषणा होने की उम्मीद है।

बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी रीमेक में नजर आ सकते हैं राजकुमार राव

अभिनेता राजकुमार राव अपने शानदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं। अलग-अलग किस्म की भूमिकाएं निभाने में उनका कोई मुकाबला नहीं। फिलहाल राजकुमार राव को लेकर ऐसी अटकलें हैं कि वे तेलुगु फिल्म बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी रीमेक में नजर आ सकते हैं। यह एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है। इंडस्ट्री में चर्चा है कि राजकुमार राव तेलुगु हॉरर-कॉमेडी फिल्म बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी संस्करण में अभिनय कर सकते हैं। हालांकि, अभी तक आधिकारिक तौर पर ऐसा कोई एलान नहीं किया गया है। लेकिन, सूत्रों का कहना है कि मुख्य भूमिका निभाने के लिए उनके नाम पर चर्चा चल रही है। 123 तेलुगु के अनुसार, राजकुमार राव बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी रीमेक में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन प्रशंसक यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि इस सुपरनैचुरल फिल्म में वह किस तरह की भूमिका निभाएंगे।

अब दिल्ली की सत्ता में भूकंप लाएगी हुमा कुरैशी

ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर आने वाली बहुचर्चित सीरीज 'महारानी' के चौथे सीजन का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। निर्माताओं ने इसके चौथे सीजन की घोषणा कुछ समय पहले की थी। अब इसका ट्रेलर आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस बार कहानी बिहार की सीमाओं को पार कर सीधे दिल्ली की सियासत में दस्तक दे रही है। सीरीज की नायिका हुमा कुरैशी, यानी रानी भारती, अब बिहार की नहीं बल्कि देश की राजनीति को हिला देने की तैयारी में हैं। ट्रेलर में रानी कहती हैं- अगर आपने हमारे दुश्मन से हाथ मिलाया तो सिंहासन खींच लेंगे आपका।

मेकर्स ने जारी किया ट्रेलर

ट्रेलर जारी करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा- शेरनी लौटी है अपने घर की रक्षा करने! रानी तैयार है अपनी अब तक की सबसे बड़ी जंग के लिए। महारानी की स्ट्रीमिंग शुरू होगी 7 नवंबर से।

सीरीज की स्टारकास्ट

निर्देशक सुभाष कपूर ने इस बार भी सीरीज को अपने खास व्यंग्य और तीखे संवादों से भर दिया है। सीरीज में हुमा कुरैशी के साथ अमित सियाल, कनी कुसरुती, विपिन शर्मा, विनीत कुमार और प्रमोद पाठक जैसे अनुभवी कलाकार दिखाई देंगे। इन सभी ने अपने-अपने किरदारों से कहानी को और भी मजबूत बनाया है। खासतौर पर अमित सियाल का राजनीतिक प्रतिद्वंदी के रूप में अभिनय सीरीज की रीढ़ साबित हो रहा है।

इस सीजन की कहानी

पिछले सीजन तक रानी भारती बिहार की मुख्यमंत्री बन चुकी थीं, लेकिन अब कहानी वहां से आगे बढ़ती है। दिल्ली की सत्ता में एंट्री के साथ सीरीज और भी अधिक रोमांचक हो गई है। ट्रेलर में संसद की झलक, सत्ता के सौदे और राजनीतिक गठजोड़ों का खेल साफ तौर पर नजर आ रहा है।

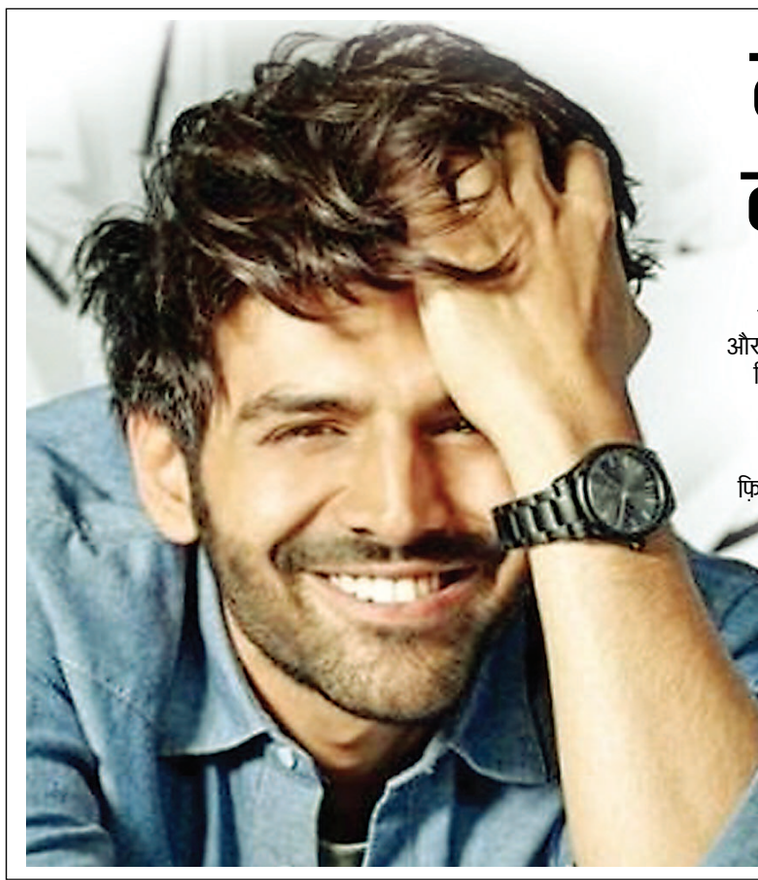

मेरा पहला फ़िल्मफ़ेयर बेस्ट एक्टर अवॉर्ड वास्तविक हीरो मुरलीकांत पेटकर जी को समर्पित

कार्तिक आर्यन, भारतीय सिनेमा के सबसे पसंदीदा और भरोसेमंद सितारों में से एक हैं और हाल ही में उन्होंने अब आधिकारिक रूप से फ़िल्मफ़ेयर इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है! सुपरस्टार ने कबीर ख़ान निर्देशित फ़िल्म चंदू चैंपियन में अपने दमदार और रूपांतरकारी प्रदर्शन के लिए अपना पहला फ़िल्मफ़ेयर बेस्ट एक्टर अवॉर्ड अपने नाम कर लिया है। यह पल किसी जादू से कम नहीं था, लेकिन सच पूछिए तो उनके लिए यह सालों की मेहनत, अनुशासन और अटूट विश्वास का परिणाम था। चंदू चैंपियन में कार्तिक ने सिर्फ़ एक किरदार नहीं निभाया, बल्कि भारत के पहले पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की कहानी को जिया और उनकी हर शारीरिक और भावनात्मक सीमा को पार करते हुए इस किरदार को सच्चाई के साथ पर्दे पर उतारा। सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएँ साझा करते हुए कार्तिक ने लिखा, चैंपियन गिरता है, पर रुकता नहीं। कुछ पल सपने जैसे लगते हैं, और यह उनमें से एक था। मेरा पहला फ़िल्मफ़ेयर बेस्ट एक्टर अवॉर्ड चंदू चैंपियन के लिए। टीवी पर सिर्फ़ 'ब्लैक लेडी' को देखा करता था, और आज उसे हाथों में थामना... यह उन सब सपने देखने वालों के लिए है जो कभी हार नहीं मानते।

कार्तिक ने अपने निर्देशक कबीर ख़ान के प्रति भी गहरी कृतज्ञता जताई, उन्हें सच्चाई, भावना और ताकत से भरे फ़िल्ममेकर बताते हुए कहा कि उन्होंने सिर्फ़ निर्देशन नहीं किया, बल्कि उन्हें एक कलाकार के रूप में बदल दिया। उन्होंने निर्माताओं साजिद नाडियाडवाला और वर्धा ख़ान नाडियाडवाला को भी उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही सुदीप चटर्जी को हर फ़्रेम में भावना भरने के लिए और प्रीतम को फ़िल्म में आत्मिक संगीत देने के लिए शुक्रिया कहा। सबसे भावुक पल तब आया जब कार्तिक ने यह अवॉर्ड वास्तविक हीरो मुरलीकांत पेटकर जी को समर्पित किया, जिनकी प्रेरणादायक यात्रा आज भी लाखों लोगों को आगे बढ़ने की ताकत देती है। चंदू चैंपियन में कार्तिक ने एक ऐसा रूप दिखाया, जो दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा था और यह रूप था कोमल लेकिन जज़्बे से भरा, भावनात्मक लेकिन अडिग।

इस फ़िल्म ने उनके करियर में एक मील का पत्थर जोड़ा और यह साबित किया कि वे न केवल एक स्टार हैं, बल्कि एक ऐसे कलाकार हैं जो दर्शकों के दिलों तक पहुँचना जानते हैं। जब कार्तिक ने हाथों में प्रतिष्ठित 'ब्लैक लेडी' थामी, वह सिर्फ़ एक ट्रॉफी नहीं थी, बल्कि मेहनत, जुनून और पूरे हुए सपनों का प्रतीक थी। इस ऐतिहासिक जीत के साथ, कार्तिक आर्यन ने यह साबित कर दिया है कि वे अपनी पीढ़ी के सबसे प्रतिभाशाली और बहुमुखी अभिनेताओं में से एक हैं। साथ ही वे उन तमाम सपने देखने वालों के लिए प्रेरणा हैं, जो असंभव को संभव करने का हौसला रखते हैं। फिलहाल वे जल्द ही करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनने वाली रोमांटिक कॉमेडी तू मेरा मैं तेरी, मैं तेरा तू मेरी में नज़र आएंगे। इसके अलावा, उनकी आनेवाली फिल्मों में अनुराग बसु की एक अनटाइटल्ड लव स्टोरी और बहुप्रतीक्षित फ़िल्म नागज़िला भी शामिल है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।